संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
बुधवार
15 अक्तूबर, 2025
वर्ष:24 अंक: 112
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कुरुक्षेत्र के नागरिकों को दी इलेक्ट्रिक बस सेवा की सौगात, 10 इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

पेज-8

मोटी-मोटी बातें

रसायन के गोदाम और कपड़ा कारखाने में लगी भीषण आग, 9 लोगों की मौत

ढाका- बांग्लादेश की राजधानी ढाका में मंगलवार को कपड़े के कारखाने और रसायन के एक गोदाम में आग लगने से कम से कम 9 लोगों की मौत हो गई। वहीं 8 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

सरकार द्वारा संचालित समाचार एजेंसी 'बीएसएस' ने अग्निशमन सेवा और नागरिक रक्षा मीडिया शाखा के अधिकारी तल्हा बिन जासीम के हवाले से बताया कि कपड़ा कारखाने के बगल में स्थित रसायन के एक गोदाम में भीषण आग लग गई। अग्निशमन सेवा और नागरिक रक्षा निदेशक (संचालन एवं रखरखाव) लेफ्टिनेंट कर्नल मोहम्मद ताजुल इस्लाम चौधरी ने बताया कि कपड़ा कारखाने की पहली और दूसरी मंजिल से नौ शव बरामद किए गए हैं। बांग्ला भाषा के दैनिक अखबार 'प्रथम आलो' ने चौधरी के हवाले से कहा कि हमें संदेह है कि उन सभी की मौत जहरीली गैस के कारण हुई। आग पर काबू पा लिया गया है तथा अग्निशमन कर्मी कपड़ा कारखाने में तलाशी अभियान चला रहे हैं।

तल्हा बिन जासीम ने कहा कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। जासीम ने बताया कि आग लगने की सूचना उन्हें स्थानीय समयानुसार पूर्वाह्न 11 बजकर 40 मिनट पर मिली और बचाव के लिए पहली टीम 11 बजकर 56 मिनट पर घटनास्थल पर पहुंची। दोनों इमारतें रूपनगर में 'बांग्लादेश यूनिवर्सिटी ऑफ बिजनेस एंड टेक्नोलॉजी' (बीयूबीटी) के सामने अगल-बगल स्थित हैं।

बांग्लादेश में औद्योगिक आपदाओं का इतिहास रहा है। अतीत में हुई औद्योगिक त्रासदियों के लिए अक्सर सुरक्षा चूक को जिम्मेदार ठहराया गया है। वर्ष 2021 में, बांग्लादेश में खाद्य और पेय कारखाने में आग लग गई थी, जिसमें कम से कम 52 लोग मारे गए थे। फरवरी 2019 में, ढाका के सबसे पुराने हिस्से में स्थित 400 साल पुराने क्षेत्र में आग लग गई, जहां अपार्टमेंट, दुकान और गोदाम थे। इस घटना में कम से कम 67 लोगों की मौत हो गई थी। वर्ष 2012 में, ढाका में एक कपड़ा कारखाने में बंद निकास द्वारों के कारण फंसे 117 श्रमिकों की मृत्यु हो गई थी।

इसके अगले वर्ष बांग्लादेश की सबसे भीषण औद्योगिक त्रासदी घटी, जब ढाका के बाहर स्थित राणा प्लाजा नामक कपड़ा फैक्टरी की इमारत ढह गई, जिसमें 1,100 से अधिक लोगों की जान चली गई। वहीं, 2010 में पुरानी ढाका में एक मकान में अवैध रूप से रसायन संग्रहित किए जाने के कारण लगी आग में कम से कम 123 लोगों की मृत्यु हो गई थी।

राहुल गांधी को 12 साल पुराने मामले में मिली राहत, ISI से संबंध वाले बयान पर याचिका खारिज

सुल्तानपुर (उप्र) - सुल्तानपुर की एक त्वरित अदालत ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को 12 साल पुराने मामले में राहत देते हुए पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी के मुस्लिम युवकों से संपर्क करने के कथित बयान पर उनके खिलाफ पुनरीक्षण याचिका मंगलवार को खारिज कर दी।

गांधी के खिलाफ यह मामला 2013 में दायर किया गया था। आरोप था कि गांधी ने 2013 के मुजफ्फरनगर दंगों का जिक्र करते हुए दावा किया था कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई ने मुस्लिम युवकों से संपर्क किया है। एक अधिवक्ता ने बताया कि अदालत में गांधी के वकील काशी प्रसाद शुक्ला ने अपनी दलीलें पेश कीं। दोनों पक्षों को सुनने के बाद, त्वरित अदालत-2 के न्यायाधीश राकेश ने याचिका खारिज कर दी, जिससे गांधी को इस मामले में राहत मिल गई। मामले में वकील मोहम्मद अनवर ने अदालत में शिकायत दर्ज कराई थी। विशेष मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा ने इससे पहले 30 जनवरी को शिकायत खारिज कर दी थी। इसके बाद, अनवर ने मजिस्ट्रेट के आदेश के खिलाफ पुनरीक्षण याचिका के साथ जिला न्यायाधीश की अदालत का दरवाजा खटखटाया था। यहां की त्वरित अदालत-2 ने रायबरेली से कांग्रेस सांसद गांधी को मंगलवार को राहत देते हुए 2013 के इस मामले में उनके खिलाफ दायर पुनरीक्षण याचिका खारिज कर दी।

रोहतक के एएसआई ने खुद को गोली मारी, छोड़ा चार पेज का 'फाइनल नोट'

चंडीगढ़- हरियाणा में वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की आत्महत्या के बाद अब राज्य पुलिस महकमे में एक और बड़ा झटका लगा है। रोहतक साइबर सेल के एएसआई संदीप लाठर ने मंगलवार को खेत के ट्यूबवेल पर सर्विस रिवॉल्वर से खुद को गोली मार ली। घटना स्थल रोहतक-पानीपत हाईवे के मकड़ौली टोल प्लाजा के पास बताया जा रहा है।

पुलिस को मौके से चार पन्नों का सुसाइड नोट और एक वीडियो मैसेज मिला है। दोनों में उन्होंने दिवंगत एडीजीपी वाई पूरन कुमार पर भ्रष्टाचार, दुराचार और सिस्टम को जातिवाद के नाम पर हाइजैक करने के आरोप लगाए हैं। यही नहीं, वाई पूरन कुमार केस में सरकार द्वारा की जा रही कार्रवाई पर भी एएसआई ने सवाल उठाए हैं।

ओ. पी. सिंह ने पुलिस महानिदेशक का अतिरिक्त कार्यभार संभाला

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा पुलिस हाउसिंग कारपोरेशन के प्रबंध निदेशक श्री ओ. पी. सिंह, वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी (बैच 1992), ने आज दोपहर पुलिस मुख्यालय, पंचकूला में हरियाणा पुलिस के पुलिस महानिदेशक (एचओपीएफ) (Head of Police Force) पद का अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया और शुभकामनाएं दीं।

पुलिस मुख्यालय पहुंचने के उपरांत श्री ओ. पी. सिंह ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने विभागीय कार्यप्रणाली, कानून-व्यवस्था की स्थिति तथा राज्य में पुलिसिंग की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने के उपायों पर चर्चा की।

श्री ओ. पी. सिंह वर्तमान में हरियाणा पुलिस हाउसिंग कारपोरेशन (एचपीएचसी) के प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यरत हैं। उनके नेतृत्व में निगम ने हाल के वर्षों में राज्यभर में पुलिस आवासीय और प्रशासनिक भवनों के निर्माण में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। पुलिस बल के कल्याण, कार्यकुशलता और बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण के लिए उन्होंने कई अभिनव योजनाएं लागू की हैं।

इसके अतिरिक्त, श्री सिंह के पास फॉरेंसिक साइंस लैबोरेट्री (एफएसएल), मधुबन के निदेशक तथा हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एचएसएनसीबी) के प्रमुख का भी चार्ज हैं। उनके निर्देशन में फॉरेंसिक विज्ञान, नारकोटिक्स नियंत्रण और पुलिस आवास निर्माण जैसे महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में समन्वित सुधार के लिए ठोस कदम उठाए गए हैं।

1992 बैच के अनुभवी आईपीएस अधिकारी श्री ओ. पी. सिंह ने अपने अब तक के कार्यकाल में पुलिस प्रशासन, अपराध नियंत्रण, साइबर अपराध जांच, और संस्थागत सुदृढ़ीकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट नेतृत्व का परिचय दिया है। उनकी बहुआयामी सेवाओं और राजनीतिक दृष्टिकोण ने हरियाणा पुलिस को कई राष्ट्रीय स्तर की उपलब्धियां दिलाई हैं।

हरियाणा पुलिस महानिदेशक ओ. पी. सिंह ने वायरलेस संदेश के माध्यम से प्रदेशभर के पुलिसकर्मियों को किया संबोधित

कहा – "हमारे हौसले हमारी चुनौतियों से बड़े हैं"

हरियाणा पुलिस के महानिदेशक (DGP) ओ. पी. सिंह ने सोमवार को वायरलेस सिस्टम के माध्यम से प्रदेशभर के पुलिस अधिकारियों और जवानों को संबोधित किया। अपने प्रेरणादायक संदेश में उन्होंने कहा कि "हमारे हौसले हमारी चुनौतियों से बड़े हैं" — यह हर पुलिसकर्मी का संकल्प होना चाहिए।

डीजीपी सिंह ने कहा कि हरियाणा पुलिस के जवान दिन-रात जनता की सुरक्षा के लिए समर्पित रहते हैं और कठिन परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। उन्होंने कहा, "जवानों का योगदान अहम है। वे न केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखते हैं बल्कि अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों की रक्षा करते हैं।"

उन्होंने यह भी कहा कि जनता और सरकार को पुलिस विभाग से बड़ी उम्मीदें हैं और पुलिस बल इन अपेक्षाओं पर खरा उतरेगा। "हम ठगों और बदमाशों पर सख्त कार्रवाई करेंगे। सभ्य समाज में अपराधियों का कोई स्थान नहीं है," उन्होंने दृढ़ स्वर में कहा।

डीजीपी ओ. पी. सिंह ने पुलिस कर्मियों को धैर्य और अनुशासन बनाए रखने की सलाह देते हुए कहा कि जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं, लेकिन दृढ़ निश्चय और ईमानदारी से काम करने वाला व्यक्ति कभी नहीं हारता।

उन्होंने आगे कहा — "हरियाणा पुलिस विभाग मेरा परिवार है। हरियाणा मेरी कर्मभूमि है और मेरे बच्चों की जन्मभूमि। इसलिए इस भूमि की सुरक्षा और सेवा मेरा कर्तव्य है।"

डीजीपी सिंह ने यह भी आश्वासन दिया कि पुलिस कर्मियों के कल्याण के लिए वह पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि विभाग उनके हितों की रक्षा के लिए लगातार नीतिगत सुधारों पर काम कर रहा है ताकि हर पुलिसकर्मी गर्व और सम्मान के साथ सेवा कर सके। उनके इस संबोधन से प्रदेशभर में पुलिस बल में नया जोश और आत्मविश्वास देखने को मिला।

भारत में 3 कफ सिरप के खिलाफ डब्ल्यूएचओ की चेतावनी

नयी दिल्ली- विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भारत में पाए गए खराब गुणवत्ता वाले खांसी के तीन सिरप- कोल्ड्रिफ, रेस्पिफ्रेश टीआर और रिलाइफ के खिलाफ चेतावनी जारी की है। संगठन ने विश्वभर के राष्ट्रीय नियामक प्राधिकरणों से कहा है कि यदि ये सिरप उनके देश में पाए जाएं, तो तुरंत डब्ल्यूएचओ को इसकी सूचना दें। डब्ल्यूएचओ ने स्वास्थ्य पेशेवरों को भी सलाह दी है कि वे इन खराब गुणवत्ता की दवाओं का पता लगने तथा प्रतिकूल प्रभाव की किसी भी घटना की सूचना अपने राष्ट्रीय नियामक प्राधिकरणों या नेशनल फार्माकोविजिलेंस सेंटर को दें। डब्ल्यूएचओ ने चेतावनी दी है कि इन घटिया उत्पादों से प्रभावित देशों और क्षेत्रों में आपूर्ति श्रृंखला पर निगरानी बढ़ाई जाए। सोमवार को जारी अलर्ट में कहा गया है, 'अनौपचारिक/अनियमित बाजार की निगरानी बढ़ाने की भी सलाह दी जाती है।' प्रभावित उत्पाद तरल दवाएं हैं, जिनमें ऐसे तत्व होते हैं, जिनका उपयोग आमतौर पर सामान्य सर्दी, फ्लू या खांसी के लक्षणों से राहत देने के लिए किया जाता है। अलर्ट के अनुसार, भारत के केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने डब्ल्यूएचओ को सूचित किया कि आठ अक्तूबर को तीन ओरल दवाओं में डाइएथिलीन ग्लाइकॉल नामक जहरीले तत्व की मौजूदगी पाई गई।

वाई पूरन कुमार का अपमान पूरे दलित समाज का अपमान : राहुल गांधी

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की संदिग्ध आत्महत्या के मामले ने हरियाणा ही नहीं, पूरे देश को झकझोर दिया है। मंगलवार को कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी वाई पूरन कुमार के परिवार से मिलने पहुंचे। परिवार में उनकी पत्नी, आईएएस अधिकारी अमनीत पी. कुमार और दो छोटी बेटियां हैं। मुलाकात के बाद राहुल गांधी ने मीडिया से बातचीत की और कहा कि यह सिर्फ एक अधिकारी या एक परिवार की त्रासदी नहीं है, बल्कि यह देश के करोड़ों दलित भाई-बहनों के सम्मान और सुरक्षा का सवाल है।

'एक बहन ने पति खोया, दो बेटियों ने पिता खोया'

राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने अमनीत पी. कुमार से बात की और महसूस किया कि परिवार किस दर्द से गुजर रहा है। उन्होंने कहा, 'एक बहन ने अपने पति को खोया है, दो बेटियों ने अपने पापा को खोया है। उन पर बहुत दबाव है। यह किसी परिवार की निजी घटना नहीं, बल्कि हमारे समाज के लिए गहरा संदेश है।'

गूगल–अदाणी साझेदारी से बनेगा भारत का सबसे बड़ा एआई हब

नयी दिल्ली- भारत अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के वैश्विक मानचित्र पर एक नई छलांग लगाने जा रहा है। गूगल और अदाणी समूह मिलकर विशाखापत्तनम में देश का सबसे बड़ा एआई डेटा सेंटर स्थापित करेंगे।

पांच वर्षों में 15 अरब डॉलर (करीब 1.25 लाख करोड़ रुपये) के निवेश से बनने वाला यह हब अमेरिका के बाहर गूगल का सबसे बड़ा एआई केंद्र होगा, जो भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा देगा।

यह घोषणा 'भारत एआई शक्ति' नामक आयोजन के दौरान की गई, जो आगामी 'इंडिया–एआई इम्पैक्ट समिट 2026' की तैयारी का हिस्सा था। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू सहित कई दिग्गज मौजूद रहे।

सुंदर पिचाई बोले: भारत बनेगा एआई नवाचार का इंजन

गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने 'एक्स' पर लिखा, 'भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलकर पहली बार विशाखापत्तनम में गूगल एआई हब की घोषणा करते हुए गर्व महसूस हो रहा है। यह हब गीगावॉट-स्तरीय कंप्यूटिंग क्षमता, अंतरराष्ट्रीय सबसी केबल गेटवे और ग्रीन एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर से युक्त होगा, जिससे भारत में एआई नवाचार और डिजिटल विकास को अभूतपूर्व गति मिलेगी।'

अदाणी–गूगल गठबंधन से आकार लेगा डिजिटल भारत का भविष्य

अदाणी एंटरप्राइजेज की सहायक कंपनी अदाणीकॉननेक्स (AdaniConneX) और गूगल मिलकर इस विशाखापत्तनम एआई डेटा सेंटर का निर्माण करेंगे।

इस परियोजना में ऊर्जा संचयन प्रणाली, ट्रांसमिशन नेटवर्क और स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन इकाइयों में भी संयुक्त निवेश किया जाएगा।

अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने कहा, 'यह सिर्फ एक परियोजना नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल आत्मा में किया गया निवेश है। यह देश को एआई युग में नेतृत्व प्रदान करेगा।'

पांच वर्षों में 15 अरब डॉलर का निवेश, नई संभावनाएं

गूगल द्वारा कराए गए एक अध्ययन के अनुसार, यह एआई हब 2026 से 2030 के बीच भारत की अर्थव्यवस्था में 15 अरब डॉलर का नया आर्थिक मूल्य जोड़ेगा। यह केंद्र क्लाउड और एआई तकनीकों के विस्तार, स्टार्टअप्स के सशक्तिकरण और रोजगार सृजन का मुख्य केंद्र बनेगा।

जॉनसन ने बढ़ाई अमेरिका के हालात पर चिंता, कहा- जल्द खत्म नहीं होगा शटडाउन

वाशिंगटन- रिपब्लिकन पार्टी से स्पीकर माइक जॉनसन ने सोमवार को कहा कि संघीय सरकार का 'शटडाउन' (सरकारी वित्तपोषण रुकने से कामकाज ठप होना) अब तक का सबसे लंबा 'शटडाउन' हो सकता है। जॉनसन ने कहा कि जब तक डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद स्वास्थ्य देखभाल से संबंधित अपनी मांगों को नहीं छोड़ते और इसे (वित्त पोषण) पुनः शुरू नहीं करते, तब तक वह उनके साथ ''बातचीत नहीं करेंगे''।

भाजपा की पहली सूची में 9 महिलाओं के नाम, नंदकिशोर यादव का टिकट कटा

पटना- भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अपने प्रत्याशियों की पहली सूची मंगलवार को जारी कर दी, जिसमें 71 उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। पार्टी राज्य में 101 सीटों पर चुनाव लड़ रही है।

सूची में नौ महिलाओं के नाम भी शामिल हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने दिलीप जायसवाल ने पहले ही संकेत दे दिए थे कि पार्टी इस बार महिला प्रतिनिधित्व बढ़ाने पर जोर देगी। पहली सूची में कई बड़े नेताओं को टिकट मिला है। पार्टी ने तारापुर से सम्राट चौधरी, लखीसराय से विजय सिन्हा, सीवान से मंगल पांडे और दानापुर से रामकृपाल यादव को उम्मीदवार बनाया है।

विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव का टिकट इस बार काट दिया गया है। उन्होंने इसपर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, "मैं भारतीय जनता पार्टी के निर्णय के साथ हूं। पार्टी ने मुझे बहुत कुछ दिया है। मुझे कोई शिकायत नहीं है। नई पीढ़ी का स्वागत और अभिनंदन है।" उन्होंने कहा कि पटना साहिब विधानसभा क्षेत्र के लोगों ने उन्हें सात बार विजयी बनाया। यादव ने कहा, "भाजपा उम्मीदवार के रूप में जो स्नेह और प्यार मुझे मिला, उसे मैं कभी भूल नहीं पाऊंगा। सबका आभार।"

जब बेटियां पढ़ती हैं तो पूरा परिवार, समाज और देश बढ़ता है आगे – मुख्यमंत्री नायब

पिछले 11 वर्षों में प्रदेश में 80 नए राजकीय कॉलेज खोले, इनमें 30 केवल लड़कियों के लिए – मुख्यमंत्री

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि शिक्षा किसी भी देश व समाज की सच्ची शक्ति होती है। जब बेटियां पढ़ती हैं तो पूरा परिवार, पूरा समाज और पूरा देश आगे बढ़ता है। इसलिए ही प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रव्यापी बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान शुरू किया था। सेठ नवरंग राय लोहिया जयराम कन्या महाविद्यालय जैसी संस्थाएं प्रधानमंत्री के इसी विजन को आगे बढ़ाने का काम कर रही हैं।

मुख्यमंत्री मंगलवार को सेठ नवरंग राय लोहिया जयराम कन्या महाविद्यालय लोहार माजरा, कुरुक्षेत्र की रजत जयंती समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री ने दीप शिखा प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत रूप से शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री व अन्य अतिथियों ने श्री जयराम शिक्षण संस्थान के 25 वर्षों की गतिविधियों पर आधारित स्मारिका का विमोचन भी किया। श्री नायब सिंह सैनी को जयराम शिक्षण संस्थानों के चेयरमैन परम पूज्य ब्रह्म स्वरूप ब्रह्मचारी महाराज ने स्मृति चिन्ह और शॉल भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सेठ नवरंग राय लोहिया जयराम कन्या महाविद्यालय संस्थान को 21 लाख रुपए देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज वे ऐसे सरस्वती मंदिर में आए हैं, जो 25 वर्षों से ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों को शिक्षित और स्वावलंबी बनाने का काम कर रहा है। शिक्षण संस्था के जीवन में 25 वर्ष केवल एक संख्या नहीं, बल्कि संघर्ष, समर्पण और सफलता का एक लंबा इतिहास है। उन्होंने कहा कि परम पूज्य ब्रह्मलीन देवेंद्र स्वरूप ब्रह्मचारी की ही प्रेरणा से स्वर्गीय मोहन लाल लोहिया ने इस जमीन पर अपने पिता की याद में यह कॉलेज बनवाया था। जिस समय इस कॉलेज की नींव रखी गई थी, उस समय गांवों में बेटियों की शिक्षा के प्रति जागरूकता नहीं थी। यह कॉलेज आज आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों की हजारों बेटियों के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है।

उन्होंने कहा कि यहां की छात्राओं ने शिक्षा के क्षेत्र के साथ-साथ खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों, सामाजिक उत्तरदायित्व और शोध के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त की हैं। यहां से पढ़ी लिखी बेटियां आज राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त कर चुकी हैं। उन्होंने कहा कि सेठ नवरंग राय लोहिया जयराम गर्ल्स कॉलेज जैसी संस्थाएं हरियाणा प्रदेश और हमारे समाज की सच्ची धरोहर हैं, जो विकसित हरियाणा के निर्माण में महान योगदान दे रही है।

पिछले 11 वर्षों में प्रदेश में 80 नए राजकीय कॉलेज खोले, इनमें 30 केवल लड़कियों के लिए

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि बेटियों की शिक्षा के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा शिक्षण संस्थानों का घर से काफी दूर होना रहा है। सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि बेटियों को हर 20 किलोमीटर के दायरे में कॉलेज जरूर मिले। इसके लिए पिछले 11 वर्षों में प्रदेश में कुल 80 नए राजकीय कॉलेज खोले गए हैं। इनमें से 30 केवल लड़कियों के हैं। उन्होंने कहा कि बेटियों को अपने घरों से शिक्षण संस्थानों तक आने-जाने के लिए 150 किलोमीटर की दूरी तक रोडवेज की बसों में मुफ्त यात्रा सुविधा भी प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि बेटियों को तकनीकी शिक्षा प्रदान करने के लिए भी प्रदेश में 29 कन्या आई.टी.आई. चल रही हैं। इन आई.टी.आई. में पढ़ने वाली लड़कियों को प्रतिमाह 500 रुपए का वजीफा देने का प्रावधान किया है। हरियाणा प्रदेश नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने वाला पहला राज्य है।

पोस्ट ग्रेजुएट टीचर की भर्ती में भी बेटियों को 33 प्रतिशत आरक्षण

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि शिक्षा के मामले में गरीबी आड़े न आए, इसके लिए प्रदेश में एक लाख 80 हजार रुपए तक की वार्षिक आय वाले परिवार की बेटियों को स्नातकोत्तर तक मुफ्त शिक्षा दी जाती है। पोस्ट ग्रेजुएट टीचर की भर्ती में भी बेटियों को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया जाता है। उन्होंने कहा कि जिस हरियाणा को कम लिंगानुपात वाले राज्यों में गिना जाता था, उसने इस दाग को धोने के साथ-साथ अन्य राज्यों के लिए भी अनुकरणीय उदाहरण पेश किया है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के फलस्वरूप प्रदेश में जन्म के समय लिंगानुपात की दर वर्ष 2014 में 871 से सुधरकर अब 909 हो गई है।

उन्होंने कहा कि जब भी किसी भी परीक्षाओं के परिणाम आते हैं तो हर बार बेटियां अव्वल रहती हैं। इसके अलावा प्रशासन, पुलिस, सेना, अनुसंधान, अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में भी बेटियों ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। विभिन्न प्रवेश परीक्षाओं में भी लड़कियों के चयन का प्रतिशत लगातार बढ़ रहा है।

राजनीति, लेखन, खेल, फिल्म, फैशन, संगीत, साहित्य, उद्योग, व्यापार, चिकित्सा, समाज सेवा, न्यायिक सेवा आदि हर क्षेत्र में बेटियां आगे हैं। इससे यह साबित होता है कि बेटियां किसी पर बोझ नहीं हैं।

मुख्यमंत्री ने मेडिकल टेस्टों की ऑनलाइन पेमेंट के लिए ऐप विकसित करने के दिए निर्देश

शिमला। प्रदेश सरकार के एक प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने स्वास्थ्य विभाग में डिजिटल गवर्नेंस को बढ़ावा देते हुए प्रदेश के अस्पतालों में होने वाले मेडिकल टेस्टों की ऑनलाइन पेमेंट के लिए ऐप विकसित करने निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग, डिजिटल प्रौद्योगिकी एवं गवर्नेंस विभाग से समन्वय स्थापित कर एक महीने के भीतर ऐप विकसित करेगा ताकि लोगों को सुलभ एवं कैशलैस सेवाएं प्राप्त हों। उन्होंने कहा कि अब लोगों को अस्पतालों में टेस्टों की फीस जमा करवाने के लिए कतारों में नहीं लगना पड़ेगा तथा उन्हें गुणात्मक एवं निर्बाध स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा इच्छुक व्यक्ति विभिन्न अस्पतालों में नियुक्त चिकित्सकों के साथ ऑनलाइन अपॉइंटमेंट भी निर्धारित कर सकेंगे। प्रवक्ता ने कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार, स्वास्थ्य विभाग में अनेक सुधार कर रही है तथा प्रदेश के चिकित्सा महाविद्यालयों तथा अस्पतालों में अत्याधुनिक मशीनरी उपलब्ध करवाई जा रही है ताकि लोगों को स्वास्थ्य जांच एवं इलाज के लिए प्रदेश से बाहर न जाना पड़े। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने आगामी वर्षों में आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता तथा स्वास्थ्य अधोसंरचना के विकास और विस्तार पर 3,000 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि व्यय करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य एवं शिक्षा क्षेत्र वर्तमान प्रदेश सरकार की प्राथमिकताओं में है तथा लोगों को गुणात्मक स्वास्थ्य एवं शिक्षा प्रदान करने के लिए अनेक महत्त्वाकांक्षी योजनाएं शुरू की गई हैं।

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सोलन में सी.पी.आर. पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

सोलन। ज़िला रेडक्रॉस सोसायटी सोलन द्वारा आज औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सोलन में सी.पी.आर. पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जन शिक्षण संस्थान सोलन की संयोजक रेणु शर्मा ने की। रेणु शर्मा ने कहा कि सी.पी.आर. जीवन रक्षक तकनीक है जो हृदय रुकने या सांस लेने में कठिनाई होने पर उपयोग की जाती है। उन्होंने कहा कि सी.पी.आर. की सही जानकारी होना सभी के आवश्यक है ताकि किसी भी आपात स्थिति में व्यक्ति की जान बचाई जा सके। ज़िला रेडक्रॉस सोसायटी सोलन के उप संरक्षक लेख राज कौशिक ने इस अवसर पर सी.पी.आर. की महत्वता के बारे में जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर ज़िला रेडक्रॉस सोसायटी सोलन की सदस्य सुनीता ओबराय, शशिकांत व लगभग 150 युवाओं ने भाग लिया।

आपदा राहत कोष के लिए 1.55 करोड़ रुपये का अंशदान

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू को आज यहां एसबीआई चंडीगढ़ सर्कल के मुख्य महाप्रबंधक कृष्ण शर्मा ने आपदा

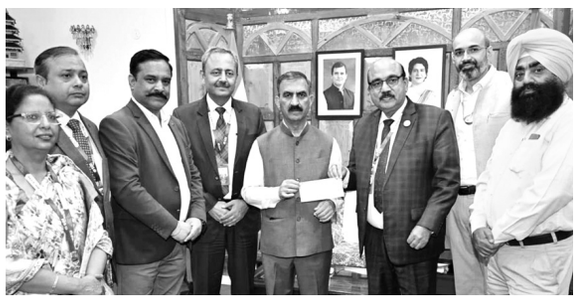

राहत कोष के लिए 1.55 करोड़ रुपये का चेक भेंट किया। मुख्यमंत्री ने इस पुनीत कार्य के लिए आभार व्यक्त करते हुए लोगों से आपदा प्रभावितों की सहायता के लिए उदारतापूर्वक योगदान देने का आग्रह किया। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष नरदेव सिंह कंवर, एसबीआई हिमाचल के डीजीएम प्रभात कुमार तथा अन्य गणमान्य भी उपस्थित थे।

प्रदेश के जन-जन को विकास धारा से जोड़ने के लिए राज्य सरकार कृत संकल्प : संजय अवस्थी

- **अर्की विधानसभा क्षेत्र की दूर-दराज ग्राम पंचायत चमदार में 'विधायक आपके द्वारा' कार्यक्रम आयोजित**
- **इस क्षेत्र में लगभग 46 करोड़ रुपए की योजनाओं के कार्य शीघ्र होंगे आरम्भ**

सोलन। अर्की के विधायक संजय अवस्थी ने कहा कि प्रदेश के जन-जन को विकास की धारा से जोड़ना प्रदेश सरकार का उत्तरदायित्व है और वर्तमान प्रदेश सरकार इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए निरंतर प्रयासरत है। संजय अवस्थी आज अर्की विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत चमदार में आयोजित 'विधायक आपके द्वार' कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। संजय अवस्थी ने कहा कि प्रदेश सरकार कृषि, पशुपालन, बागवानी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे आधारभूत क्षेत्रों में अधोसंरचनात्मक कार्या पूर्ण कर रही है ताकि लोग इनसे समय पर लाभान्वित हो सके। संजय अवस्थी ने कहा कि प्रदेश के किसानों, बागवानों व पशुपालकों की आय में बढ़ौतरी के लिए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। प्राकृतिक खेती के माध्यम से उगाई गई मक्की के लिए 40 रुपए तथा गेहूं 60 रुपए प्रति किलो ग्राम न्यूनतम समर्थन मूल्य रखा गया है। इस निर्णय से जहां किसानों की आय में वृद्धि होगी वहीं प्राकृतिक खेती को भी बढ़ावा मिलेगा।

विधायक ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की वन सम्पदा की सुरक्षा के लिए प्रदेश सरकार ने राजीव गांधी वन संवर्धन योजना आरम्भ की है। इस योजना का उद्देश्य बंजर वन भूमि पर फलदार पेड़ लगाकर वनीकरण को बढ़ावा देना है। यह योजना महिला मण्डलों और स्वयं सहायता समूहों जैसी स्थानीय संस्थाओं को वृक्षारोपण और रखरखाव के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा गत दिनों पूर्व दाड़लाघाट में आयोजित कार्यक्रम में राजीव गांधी वन संवर्धन योजना के तहत अर्की विधानसभा क्षेत्र के आठ स्वयं सहायता समूहों को 28.80 लाख रुपए वितरित किए। संजय अवस्थी ने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजीव गांधी वन संवर्धन योजना के बारे में महिला मण्डलों व युवक मण्डलों को जागरूक करें। उन्होंने उपस्थित महिला मण्डलों व युवक मण्डलों से आग्रह किया कि वन संरक्षण के लिए कार्यान्वित की जा रही इस योजना में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

विधायक ने कहा कि राज्य के प्रत्येक छात्र को गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए प्रदेश सरकार ने प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में राजीव गांधी डे बोर्डिंग स्कूल स्थापित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा अर्की विधानसभा क्षेत्र के तीन स्थानों पर राजीव गांधी डे बोर्डिंग स्कूल स्थापित करने की स्वीकृत मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि रामपुर परगना में भी छात्रों को और बेहतर शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए राजीव गांधी डे बोर्डिंग स्कूल खोलने का प्रयास किया जाएगा। संजय अवस्थी ने कहा कि अर्की विधानसभा क्षेत्र को आदर्श विधानसभा क्षेत्र बनाने के लिए वह प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि रामशहर से चमदार-क्यारणू मार्ग तथा रामशहर-छियाछी-दिग्गल मार्ग के लिए लगभग 33 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही इन मार्गों का निर्माण कार्य आरम्भ होगा। उन्होंने कहा कि पेयजल आपूर्ति योजना चमदार के लिए लगभग 4.84 करोड़ रुपए, सिंचाई योजना स्रोग बुघार के लिए लगभग 1.76 करोड़ रुपए, सिंचाई योजना खेटटा व जोहड़ी के लिए 3.37 करोड़ रुपए तथा उठाऊ पेयजल योजना मनलोग कलां के लिए 2.59 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। इन सभी योजनाओं का कार्य शीघ्र आरम्भ होगा।

विधायक ने ख्वाजा पुल के समीप मोक्षधाम निर्माण के लिए 1.50 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला चमदार में परीक्षा केन्द्र के निर्माण कार्य को पूरा करने के लिए 02 लाख रुपए देने की भी घोषणा की। संजय अवस्थी ने इस अवसर पर लोगों की पेयजल, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, सिंचाई व अन्य विभिन्न समस्याओं को सुना और सम्बधित अधिकारियों को इनके शीघ्र निपटारे के निर्देश दिए। इस अवसर पर ग्राम पंचायत चमदार के प्रधान कर्म चन्द कौंडल, ग्राम पंचायत दिग्गल के प्रधान पवन कौशल, ग्राम पंचायत चमदार के उप प्रधान कमलेश कुमार, बीडीसी सदस्य विकास चन्द, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सतीश कश्यप, जोगिन्द्रा केन्द्रीय सहकारी बैंक के निदेशक रोशन वर्मा, नेहरू युवा क्लब चमदार के प्रधान बलवीर, उपमण्डलाधिकारी नालागढ़ नरेन्द्र आहलूवालिया, खण्ड विकास अधिकारी नालागढ़ नयोन धैर्य शर्मा, तहसीलदार नालागढ़ हुसन चंद चौधरी, हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड के अधिशाषी अभियंता देवेन्द्र कौंडल, लोक निर्माण विभाग के अधिशाषी अभियंता परसवर सिंह, जल शक्ति विभाग के अधिशाषी अभियंता नीरज गुप्ता, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला चमदार के प्रधानाचार्य अशोक कुमार, स्कूल प्रबंधन समिति की प्रधान स्वर्णलता सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति व ग्रामीण उपस्थित थे।

युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए जन-जन की सहभागिता आवश्यक : गौरव सिंह

पुलिस अधीक्षक ने सुल्तानपुर विद्यालय में छात्रों से किया सीधा संवाद और वितरित की स्पोर्ट्स किट

सोलन। पुलिस अधीक्षक सोलन गौरव सिंह ने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए जन-जन की सहभागिता आवश्यक है। पुलिस अधीक्षक आज राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला सुल्तानपुर में नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाने और छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ खेल-कूद, राष्ट्रीय केडिट कोर (एनसीसी), राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और स्वास्थ्य के प्रति रुचि विकसित करने के लिए आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे।

गौरव सिंह ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य छात्रों को नशे से दूर रखना, उनकी संकल्प शक्ति विकसित कर उन्हें नशे के विरुद्ध समाज को जागरूक करने के लिए अग्रदूत बनाना और युवा शक्ति को इस सामाजिक बुराई से बचाना है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि ज़िला पुलिस सोलन द्वारा नशे के विरुद्ध सतत् कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने कहा कि नशे जैसी सामाजिक समस्या के विरुद्ध विशेष रूप से स्कूली छात्रों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए ज़िला पुलिस सोलन के सभी राजपत्रित अधिकारियों द्वारा एक-एक विद्यालय को गोद लिया गया है। उन्होंने कहा कि स्कूली छात्रों को नशे से दूर रखकर समाज को इस अभियान में सही दिशा दी जा सकती है।

उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग द्वारा इस अभियान के अंतर्गत विद्यालयों में नियमित रूप से जागरूकता कार्यक्रम तथा सेमिनार आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन एवं अभिभावकों से आग्रह किया कि छात्रों को खेल एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ें और युवाओं के समग्र व्यक्तित्व विकास पर बल दें। उन्होंने छात्रों को बिना संकोच के पुलिस के साथ अपने विचार साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि पुलिस जनता की सहायता के लिए है और नशे के विरुद्ध अभियान में समय पर दी गई सूचना अनेक जीवन बचा सकती है। गौरव सिंह ने इस अवसर पर शिक्षकों से आग्रह किया कि छात्रों के व्यवहार और गतिविधियों पर नज़र रखें और किसी भी प्रकार के नशे में संलिप्त होने की आशंका के बारे में जानकारी पुलिस के साथ साझा करें ताकि नशे को रोकने में सफलता प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि इस दिशा में अभिभावकों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। यदि अभिभावकों को लगता है कि उनके बच्चे सामान्य दिनचर्या से हट रहे हैं अथवा पढ़ाई में ध्यान नहीं दे रहे हैं, गुमसुम रहते हैं या उनके व्यवहार में परिवर्तन आ रहा है तो इस विषय में अध्यापकों से जानकारी लें ताकि युवाओं को नशे से दूर रखा जा सके।

उन्होंने इस अवसर पर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला सुल्तानपुर में विभिन्न शैक्षणिक एवं अन्य गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की और छात्रों से सीधा संवाद स्थापित किया। ज़िला पुलिस सोलन द्वारा एक-एक विद्यालय को अडॉप्ट करने के तहत पुलिस अधीक्षक सोलन द्वारा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सुल्तानपुर को अडॉप्ट किया गया है। इस पहल के तहत अन्य राजपत्रित अधिकारियों द्वारा अडॉप्ट स्कूल में लगातार संवाद किया जा रहा है ताकि युवा शक्ति को पूरी तरह से सुरक्षित रखा जा सके।

इस अवसर पर एक्ट ह्यूमन गैर सरकारी संगठन की सहायता से इस विद्यालय के छात्रों को 45 स्पोर्ट्स किट व खेल-कूद की सामग्री वितरित की गई। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला सुल्तानपुर के प्रधानाचार्य, अध्यापक, कर्मचारी, छात्र व एक्ट ह्यूमन गैर सरकारी संगठन के प्रतिनिधि इस अवसर पर उपस्थित थे।

उद्यमी बनकर युवा करेंगे आत्मनिर्भर हिमाचल के सपने को साकार: राजेश धर्माणी

शिमला। तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने आज यहां तकनीकी शिक्षा संबंधी समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि प्रदेश के युवा नवोन्मेषी विचारों और ऊर्जा से परिपूर्ण हैं। युवाओं को उद्यमशीलता की ओर आकर्षित करने के लिए उद्योग विभाग के साथ विभिन्न तकनीकी संस्थानों में एंटरप्रेन्योरशिप कार्यक्रम आयोजित करवाए जाएंगे। कार्यक्रम के तहत युवाओं में नेतृत्व के गुणों के विकास के साथ-साथ उनके नवाचारों को साकार करने के अवसर दिए जाएंगे। इसके लिए उद्योग जगत से जुड़े विशेषज्ञों की सहायता ली जाएगी। इसके अतिरिक्त हिमुडा के साथ भी प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करवाया जाएगा। श्री धर्माणी ने कहा कि राज्य में सूक्ष्म, लघु उद्यमों और स्टार्ट-अप इको सिस्टम का निर्माण किया जा रहा है। प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से युवाओं के स्टार्ट-अप को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उद्योग जगत से संबंधित विभिन्न संघों के साथ समन्वय स्थापित किया जा रहा है ताकि युवा उद्यम स्थापित कर सकें। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिपेक्ष्य में ब्यूटी और वेलनेस तथा फैशन उद्योग के विस्तार के दृष्टिगत युवाओं को इस इंडस्ट्री की तरफ आकर्षित करने के लिए देश के प्रतिष्ठित ब्रांड्स के साथ समन्वय स्थापित किया गया है और युवाओं को इस क्षेत्र में प्रशिक्षित किया जा रहा है। आधुनिक समय की मांग को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रमों को तैयार किया जा रहा है। तकनीकी शिक्षा मंत्री ने कहा कि हिमाचल जैसे प्राकृतिक आपदा संवेदनशील राज्य में आपदा प्रबंधन विषय का अपना महत्व है। इसके दृष्टिगत प्रदेश के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों, बहु तकनीकी एवं इंजीनियरिंग संस्थानों में बच्चों को आपदा प्रबन्धन विषय की व्यावहारिक जानकारी दी जाएगी। इसके तहत उन्हें आपदा से निपटने का व्यवहारिक ज्ञान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में प्रदेश के युवाओं के लिए राज्य में स्किल अकेडमी और डिजिटल यूनिवर्सिटी को भी स्थापित किया जाएगा। बैठक में सचिव तकनीकी शिक्षा संदीप कदम और निदेशक तकनीकी शिक्षा अक्षय सूद सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

धर्मशाला क्षेत्र में ई-वेस्ट संग्रहण को लेकर किया जागरूक

नागरिकों ने पुराने एवं अनुपयोगी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण करवाए जमा

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय धर्मशाला द्वारा रोटरी क्लब धर्मशाला-मैकलोडगंज, होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन धर्मशाला, स्मार्ट सिटी धर्मशाला तथा हिमालयन साइबर सिक्योरिटी सिस्टम के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय ई-वेस्ट दिवस 2025 के उपलक्ष्य में एक ई-वेस्ट संग्रहण एवं जागरूकता अभियान सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस वर्ष का वैश्विक विषय क्रिटिकल रॉ मटेरियल्स रहा, जो आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के लिए अत्यंत आवश्यक घटक हैं। इस थीम के माध्यम से पुनर्चक्रण एवं पुनः उपयोग के महत्व को रेखांकित किया गया ताकि पर्यावरणीय प्रभाव को कम किया जा सके तथा मूल्यवान संसाधनों का संरक्षण किया जा सके। यह अभियान धर्मशाला, मैक्लोडगंज, भागसूनाग, धर्मकोट, नड्डी और सतोवारी सहित विभिन्न स्थानों पर आयोजित किया गया, जहाँ

स्थानीय निवासियों ने अपने पुराने एवं अनुपयोगी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जैसे मोबाइल फोन, कंप्यूटर आदि जमा कर सक्रिय रूप से भाग लिया। वरुण गुप्ता, क्षेत्रीय अधिकारी, हिमाचल प्रदेश राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, धर्मशाला ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य आम जनता को ई-वेस्ट के जिम्मेदार निपटान के प्रति जागरूक करना और सतत पुनर्चक्रण की प्रवृत्ति को बढ़ावा देना है। उन्होंने रोटरी क्लब धर्मशाला, मैक्लोडगंज, स्थानीय होटल संघ, स्मार्ट सिटी धर्मशाला तथा हिमालयन साइबर सिक्योरिटी सिस्टम के सहयोग की सराहना की, जिनके प्रयासों से यह अभियान सफल रहा। रोटरी क्लब के स्वयंसेवक दल सभी स्थानों पर उपस्थित रहे और उन्होंने लोगों को जागरूक करने तथा ई-वेस्ट संग्रहण की प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने में सक्रिय योगदान दिया। इस पहल को आम जनता से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली, जो क्षेत्र में बढ़ती पर्यावरणीय चेतना और सतत अपशिष्ट प्रबंधन के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

विकास पुरुष स्वर्गीय जीएस बाली को किया याद

चैथी पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में हजारों लोगों ने की शिरकत

कांगड़ा। हिमाचल प्रदेश की राजनीति में अपनी कार्य निष्ठा के लिए समर्पित जन-जन के नायक नगरोटा और हिमाचल प्रदेश के लोगों के दिलों में अपने कार्यों से अपने आप को विकास पुरुष के नाम से स्थापित होने वाले नेता विकास पुरुष स्वर्गीय जीएस बाली की चैथी पुण्यतिथि मजदूर कुटिया में मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में हजारों लोगों ने शिरकत की। इस मौके पर उनके सुपुत्र हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष व पर्यटन विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष (कैबिनेट रैंक) आर.एस. बाली ने अपने स्वर्गीय पिताजी के लिए विधिवत पूजा अर्चना की। विकास पुरुष स्वर्गीय जीएस बाली ने लोगों के दिलों में अपनी कार्य निष्ठा और लोगों के लिए समर्पण भाव से एक ऐसी जगह स्थापित की है जिसकी झलकी आज सुबह से ही मजदूर कुटिया में अपने प्रिय नेता को श्रद्धांजलि देने के रूप में देखी गई। मजदूर कुटिया में विकास पुरुष स्वर्गीय जीएस बाली को श्रद्धांजलि देने के लिए उनके चाहने वाले बड़ी संख्या में पहुंचे। स्वर्गीय जीएस बाली एक ऐसे नेता थे जिन्होंने हिमाचल प्रदेश के साथ-साथ पूरे देश में अपने कार्यों से अपनी एक अलग छवि बनाई। 1998 में उन्होंने एक ऐसी विधानसभा क्षेत्र की भाग दौड़ अपने हाथ में संभाली जिसे पिछड़ा हुआ और चंगर क्षेत्र माना जाता था उन्होंने इस चंगर और पिछड़े क्षेत्र को हिमाचल प्रदेश का अग्रणी विधानसभा क्षेत्र बनाया। उन्होंने अपने पूरे विधानसभा क्षेत्र में सड़कों का जाल बिछाया, लोगों के लिए घर-घर पानी बिजली स्वास्थ्य सिंचाई जैसी सुविधाएं पहुंचाई, उन्होंने नगरोटा विधानसभा क्षेत्र को शिक्षा के हब के रूप में स्थापित किया आज ऐसा कोई शिक्षण संस्थान नहीं रहा जो नगरोटा विधानसभा क्षेत्र में ना हो।

हर बच्चे के चेहरे पर मुस्कान...विधायक केवल सिंह पठानिया की अनोखी पहल

- **शिक्षा और सेवा का संगम – शाहपुर में बच्चों को मिले बैग उपहार**
- **शाहपुर वेलफेयर सोसाइटी बनी उम्मीद की किरण – विधायक पठानिया ने बढ़ाया सहयोग का हाथ**
- **जनसेवा में समर्पण, शिक्षा में सहयोग – शाहपुर में हर बच्चे तक पहुँची विधायक की सौगात**

शाहपुर । शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया जहाँ एक ओर शाहपुर विधानसभा क्षेत्र में विकास की नई राहें खोल रहे हैं, वहीं दूसरी ओर समाजसेवा और जनकल्याण के क्षेत्र में भी वे एक मिसाल कायम कर रहे हैं।जनसेवा की भावना से प्रेरित होकर उन्होंने ÷शाहपुर वेलफेयर सोसाइटी÷ का गठन किया है, जिसके माध्यम से अब तक अनेक जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक व सामाजिक सहायता प्रदान की जा चुकी है। यह सोसाइटी क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों के लिए एक उम्मीद की किरण बनकर उभरी है। इसी कड़ी में विधायक केवल सिंह पठानिया ने शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के सर्वांगीण विकास और प्रोत्साहन के लिए एक सराहनीय पहल शुरू की है। उन्होंने बच्चों को पहले अपनी ओर से स्वेटर भेंट किए, उसके बाद ट्रैक सूट और जूते वितरित किए, और अब वे शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को स्कूल बैग

उपहारस्वरूप प्रदान कर रहे हैं। यह वितरण कार्य मुख्य रूप से प्री-नर्सरी से लेकर पाँचवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों को केंद्रित है। अब तक लगभग हर सरकारी प्राथमिक विद्यालय में यह वितरण पूर्ण हो चुका है।

बच्चों के चेहरों पर इन बैगों को पाकर जो प्रसन्नता, आत्मविश्वास और मासूम मुस्कान झलकती है, वह इस पहल की वास्तविक सफलता का प्रमाण है। विधायक पठानिया ने कहा कि ÷बच्चे राष्ट्र का भविष्य हैं। उन्हें बेहतर शिक्षा, संसाधन और आत्मविश्वास देना हम सबका दायित्व है। यदि एक बच्चे के चेहरे पर मुस्कान लाने में हमारा छोटा-सा योगदान भी हो सके, तो यही सबसे बड़ी उपलब्धि है।

आवश्यक सूचना

ब्याठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25 , स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। सम्पादक:- एकान्ति रॉय गर्ग, मुख्य कार्यालय: बूथ नं: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109(हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

न्यूज डायरी

टाटा मोटर्स ने सर्व हरियाणा ग्रामीण बैंक के साथ समझौता ज्ञापन किया

हिन्द जनपथ

पानीपत (ब्यूरो)। भारत की अग्रणी वाणिज्यिक वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स ने आज सर्व हरियाणा ग्रामीण बैंक के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की है। इस साझेदारी का उद्देश्य कंपनी के संपूर्ण छोटे वाणिज्यिक वाहनों और पिक-अप रेंज, जिसमें हाल ही में लॉन्च किया गया टाटा ऐस प्रो भी शामिल है, की फाइनेंसिंग को और मजबूत बनाना है।यह सहयोग ग्राहकों के लिए वाहन स्वामित्व को और अधिक सरल, सुलभ और सुविधाजनक बनाएगा। इसके तहत उन्हें कम ब्याज दरों, सरल दस्तावेज़ी प्रक्रिया और तेज़ लोन स्वीकृति एवं वितरण की सुविधा मिलेगी। सर्व हरियाणा ग्रामीण बैंक के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से नए उद्यमी और छोटे व्यवसायी कम ईएमआई का लाभ उठाकर अपने व्यवसाय की शुरुआत करने और उसे आगे बढ़ाने में सक्षम होंगे।हरियाणा के कृषि, औद्योगिक और उपभोक्ता केंद्रों की वृद्धि में टाटा मोटर्स के छोटे वाणिज्यिक वाहन और पिक-अप लंबे समय से महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इन वाहनों ने राज्य की अर्थव्यवस्था को मज़बूती दी है और माल के सुचारू परिवहन को सक्षम बनाया है। एससीवीपीयू पोर्टफोलियो राज्य की विविध व्यावसायिक आवश्यकताओं को पूरा करता है - करनाल और हिसार, जो डेयरी और अनाज उत्पादन के लिए प्रसिद्ध हैं, से लेकर रोहतक तक, जो तेजी से एक लॉजिस्टिक्स हब के रूप में उभर रहा है।हरियाणा के औद्योगिक क्लस्टर भी इस मांग को और बढ़ा रहे हैं - रेवाड़ी का ऑटो पार्ट्स बेल्ट, सोनीपत के वेयरहाउसिंग हब और पानीपत के टेक्सटाइल एवं पेट्रोकेमिकल ज़ोन राज्य में माल परिवहन को नई दिशा दे रहे हैं।टाटा मोटर्स के उन्नत कार्गो समाधान, जो विभिन्न ईंधन विकल्पों और कॉन्फ़िगरेशन में उपलब्ध हैं, ग्राहकों को अपने व्यवसाय की आवश्यकताओं के अनुरूप वाहन चुनने की पूर्ण लचीलापन और सुविधा प्रदान करते हैं।इस साझेदारी के बारे में टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल्स के वाइस प्रेसिडेंट और बिजनेस हेड– स्मॉल कमर्शियल व्हीकल और पिक-अप, श्री पिनाकी हलदर ने कहा, "पिछले दो दशकों से भी ज़्यादा टाटा मोटर्स के छोटे वाणिज्यिक वाहन देशभर में आजीविका निर्माण और उद्यमिता को प्रोत्साहन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सर्व हरियाणा ग्रामीण बैंक के साथ हमारे इस सहयोग के माध्यम से हम इस समर्थन को और आगे बढ़ाना चाहते हैं, ताकि हमारे उत्पाद सरल वित्तीय योजनाओं और केवल 8,999 रुपए की शुरुआती ईएमआई के साथ अधिक ग्राहकों तक पहुँच सकें। लोन की तेज स्वीकृति प्रक्रिया राज्यभर के ग्राहकों को शीघ्र वाहन स्वामित्व प्राप्त करने और आत्मविश्वास के साथ आय का नया स्रोत शुरू करने में मदद करेगी। बैंक का विस्तृत नेटवर्क और वित्तीय विशेषज्ञता उन्हें हमारे लिए एक विश्वसनीय साझेदार बनाती है, जो हरियाणा के उभरते उद्यमियों को सशक्त बनाने में सहायक होगा।"साझेदारी पर अपने विचार साझा करते हुए सर्व हरियाणा ग्रामीण बैंक के चेयरमैन श्री संजीव कुमार धूपर ने कहा, "यह रणनीतिक सहयोग हमारे इस दृढ़ संकल्प को दर्शाता है कि हम वाणिज्यिक वाहनों के लिए सहज, प्रभावी और स्थायी वित्तीय समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हाल ही में सरकार द्वारा बसों, ट्रकों और अन्य वाणिज्यिक वाहनों पर जीएसटी दर को 28% से घटाकर 18% करने के निर्णय से वाहन अधिग्रहण की लागत में उल्लेखनीय कमी आई है और व्यवसायों व सार्वजनिक सेवा प्रदाताओं के लिए वाहन बेड़े की वहन क्षमता में सुधार हुआ है।

पंजाब ने बेंगलुरु रोड शो के दौरान राज्य में निवेश के व्यापक अवसरों पर डाला प्रकाश: कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पिछले महीने आयोजित एनसीआर रोड शो की शानदार सफलता के बाद, पंजाब सरकार ने मुख्यमंत्री के नेतृत्व में और उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री श्री संजीव अरोड़ा की मौजूदगी में प्रगतिशील पंजाब निवेशक सम्मेलन 2026 के तहत अपनी पहुंच को जारी रखते हुए बेंगलुरु में एक प्रभावशाली रोड शो आयोजित किया।

कैबिनेट मंत्री श्री संजीव अरोड़ा ने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख कंपनियों के साथ बैठकें की गईं और इसके बाद द ओबेरॉय, एम.जी. रोड, बेंगलुरु में पंजाब सत्र का आयोजन किया गया।

उन्होंने आगे कहा कि कंपनियों के साथ बैठकों के दौरान, प्रतिनिधिमंडल ने सेमीकंडक्टर और एआई क्षेत्र की अग्रणी बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी इंटेल के साथ बैठक की। इस बैठक के दौरान कंपनी ने इस क्षेत्र में अपनी आवश्यकताओं पर चर्चा की।

उन्होंने आगे बताया कि स्पेशलिटी स्टील और अलॉय उद्योग की अग्रणी कंपनी अरजस स्टील प्राइवेट लिमिटेड ने लगभग 350 करोड़ रुपये के निवेश के साथ पंजाब में अपने संचालन के विस्तार की योजना की घोषणा की।

कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने कहा कि अतिथि सत्कार क्षेत्र की प्रमुख कंपनी रॉयल ऑर्किड होटल्स लिमिटेड राज्य में नए हेरिटेज होटलों और पर्यटन अवसंरचना से संबंधित परियोजनाओं का अध्ययन करेगी।

उन्होंने बताया कि आईटी और आईटीईएस सेक्टर की प्रतिनिधि कंपनी सोनेट सॉफ्टवेयर लिमिटेड ने पंजाब में डिजिटल परिवर्तन, क्लाउड, डेटा एनालिटिक्स और एआई-आधारित सेवाओं की संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि एयरोस्पेस और रक्षा तकनीक की अग्रणी कंपनी आइडिया फोर्ज के साथ उन्नत यूएवी और एकीकृत एरियल निगरानी प्रणालियों पर भी चर्चा हुई।

अन्य विवरण सांझे करते हुये उन्होंने कहा कि एरोसपेस और रक्षा क्षेत्र की नुमायंदगी करने वाली कंपनी हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटिड (एच. ए. एल.) के साथ विक्रेता और सप्लायर समर्थकी पहलकदमियां, ख़ास कर इंजीनियरिंग क्षेत्र में एम. एस. एम. ई. यूनिटों को शामिल करके क्षेत्र में रक्षा और एरोसपेस ईकोसिस्टम को मज़बूत करने के मौकों के बारे आपसी चर्चा की गई।

उन्होंने बताया कि शाम के पंजाब सत्र में तकनीकी क्षेत्र के उद्यमियों और उद्योगपतियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। इस सत्र के दौरान वाइब्राकॉस्टिक के अध्यक्ष और हैड आफ ऑपरेशन इंडिया श्री जगमिंदर सिंह बावा, नेटस्माट्र्ज के सह-संस्थापक एवं सीईओ श्री मनीपाल धारीवाल, आईटीसी के निदेशक श्री हेमंत मलिक और हारटेक्स के निदेशक श्री वरुण सुरेखा ने पंजाब में निवेश और संचालन के अपने अनुभव साझा किए।

डिप्टी कमिश्नर ने भगवान वाल्मीकि जी महाराज की शिक्षाओं पर चलने का किया आह्वान

जालंधर– डिप्टी कमिश्नर डा. हिमांशु अग्रवाल ने जिला प्रशासकीय परिसर में कर्मचारियों द्वारा भगवान वाल्मीकि जी महाराज के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में श्रद्धापूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर डा.अग्रवाल ने समानता, शांति और भाईचारे पर आधारित एक सौहार्दपूर्ण समाज की स्थापना के लिए लोगों से भगवान वाल्मीकि जी महाराज की शिक्षाओं को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

भगवान वाल्मीकि जी महाराज की तस्वीर के समक्ष श्रद्धा अर्पित करते हुए डा. अग्रवाल ने कहा कि भाईचारे को बनाए रखने और असमानताओं को समाप्त करने के लिए भगवान वाल्मीकि जी महाराज द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भेदभाव और अन्याय से मुक्त समाज की स्थापना के लिए भगवान वाल्मीकि जी महाराज का दर्शन आज के समय में और भी प्रासंगिक है। इस अवसर पर डिप्टी कमिश्नर को समारोह में पहुंचने पर सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री द्वारा बेंगलुरु के औद्योगिक दिग्गजों से मुलाकात कर पंजाब में निवेश का आह्वान किया

हिन्द जनपथ

बेंगलुरु/चंडीगढ़– मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज पंजाब को निवेश के लिए प्राथमिकता वाला स्थान बताते हुए उद्योगपतियों को अपने व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए राज्य में निवेश करने का निमंत्रण दिया।

यहां प्रमुख उद्योगपतियों के साथ बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने दक्षिणी भारतीय राज्य कर्नाटक की राजधानी में औद्योगिक क्षेत्र के दिग्गजों का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि बेंगलुरु को भारत का सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र और भारत की सिलिकॉन वैली के रूप में जाना जाता है। उद्यमियों को पंजाब में निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए, भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह पवित्र भूमि महान गुरुओं, संतों-महापुरुषों और शहीदों की कृपा से समृद्ध है। उन्होंने कहा कि पंजाब के पास एक समृद्ध और अनूठी सांस्कृतिक विरासत है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि बहादुरी, कड़ी मेहनत और उद्यमी भावना पंजाब की मिट्टी के कण-कण में समाई हुई है। उन्होंने कहा कि पंजाब ने लंबे समय से देश की सीमाओं की रक्षा करने के साथ-साथ देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इन कारणों से पंजाब को अक्सर भारत का अन्नदाता और भारत की खड्गभुजा कहा जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब के मेहनती लोग अपने समर्पण और लगन के लिए जाने जाते हैं, जिसके कारण राज्य में उद्योग और उद्यम लगातार फल-फूल रहे हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब लगातार औद्योगिक विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है और राज्य की उद्योग-समर्थक नीतियों, पारदर्शी प्रशासन और व्यवसाय-अनुकूल माहौल के कारण बड़ी संख्या में निवेश राज्य की ओर आकर्षित हो रहा है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह बेहद खुशी की बात है कि पंजाब के सौहार्दपूर्ण और शांतिपूर्ण माहौल ने औद्योगिक निवेश को बड़ा बढ़ावा दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मार्च 2022 से अब तक पंजाब को 1.23 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिससे लगभग 4.7 लाख युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि पंजाब के खाद्य प्रसंस्करण, कपड़ा, ऑटो कंपोनेंट, हैंड टूल, साइकिल, आईटी और पर्यटन जैसे क्षेत्र अन्य राज्यों के लिए मिसाल बन रहे हैं। भगवंत सिंह मान ने आगे कहा कि यह बहुत गर्व की बात है कि पंजाब में नेस्ले, क्लास, फ्रूडेनबर्ग, कारगिल, वरबियो, डैनोन और विश्व स्तर की अन्य प्रमुख कंपनियों ने अपनी इकाइयां स्थापित की हैं।

दीवाली से पहले एक और एके-47 राइफल, तीन ग्लॉक पिस्तौलें बरामद; तीन व्यक्ति गिरफ्तार

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़/अमृतसर, (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के अनुसार सुरक्षित और शांतिपूर्ण त्योहारों के सीजन को सुनिश्चित करने के लिए चल रही विशेष जांच और कार्रवाई के दौरान एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए, स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) अमृतसर ने तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से एक ए.के.-47 राइफल, दो मैगजीन और 60 जिंदा कारतूस, साथ ही तीन 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौलें, सात मैगजीन और 50 जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। यह जानकारी पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने आज यहां दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान गुरविंदर सिंह उर्फ गिंदर निवासी संगराई (गुरदासपुर), विपिन कुमार उर्फ मनीष निवासी मरियांवाल, बटाला, और चमकौर सिंह निवासी नत्त, बटाला, जिला गुरदासपुर के रूप में हुई है।

यह कार्रवाई उस बरामदगी के एक दिन बाद की गई है, जिसमें तरनतारन जिले के खेमकरण क्षेत्र में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास दो ए.के.-47 राइफलें और एक पीएक्स5 पिस्तौल सहित तीन हथियारों की खेप बरामद की गई थी।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि अमेरिका स्थित गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी ने पाकिस्तान से इस खेप की व्यवस्था की थी। यह खेप सितंबर 2025 के मध्य में गुरदासपुर जिले के कलानौर क्षेत्र में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास ड्रोन के जरिए गिराई गई थी, जिसे गिरफ्तार आरोपियों ने प्राप्त किया था।

डीजीपी ने कहा कि तस्करों की पहचान करने, इस मामले के अगले पिछले संबंधों को सुलझाने और पूरे तस्करी नेटवर्क को समाप्त करने के लिए जांच जारी है।

विकसित भारत बिल्डथान 2025 का उद्देश्य विद्यार्थियों में नई सोच, नया विचार तथा नवीनतम तकनीकी सुविधाओं के साथ अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना है

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। मेजर अनुज राजपूत संस्कृति विद्यालय, सेक्टर 20, पंचकूला में आयोजित विकसित भारत बिल्ड्थान 2025 कार्यक्रम में हरियाणा माध्यमिक शिक्षा विभाग के संयुक्त निदेशक डॉक्टर मयंक वर्मा ने निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि ये कार्यक्रम शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित किया जा रहा है जिसमें देश के प्रत्येक प्रांत से तीन विद्यालयों की सहभागिता की गई जिसके तहत हरियाणा से पानीपत व कुरुक्षेत्र के विद्यालयों तथा पंचकूला से मेजर अनुज राजपूत संस्कृति विद्यालय को इस कार्यक्रम में शामिल किया गया। विद्यालय के विज्ञान अध्यापकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों के द्वारा बनाए गए मॉडल का निरीक्षण किया और अनुसंधान तथा नवाचार के विषय में विद्यार्थियों से संवाद किया। डॉ मयंक ने बताया कि विकसित भारत बिल्ड्थान केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है जिसे विशेष तौर पर आत्मनिर्भर भारत, समृद्ध भारत, स्वदेशी और वोकल फॉर लोकल के चार बिंदुओं पर केंद्रित किया गया है, जिसके तहत विद्यार्थियों में नई सोच, नया विचार तथा नवीनतम तकनीकी सुविधाओं के साथ अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना है।

डॉक्टर मयंक वर्मा ने बताया कि आज भारत शिक्षा, स्वास्थ्य, अनुसंधान, तकनीकि और कृत्रिम बौद्धिक क्षमता में बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। स्वभाषा, स्व संस्कृति और स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग और स्थानीय वस्तुओं के उपयोग तथा महत्व देने से निश्चित रूप से भारत समृद्ध और विकसित होगा। संस्कृति विद्यालय के विद्यार्थियों के द्वारा बनाए गए नवाचार प्रयोगों की सराहना की। पर्यावरण संवर्धन, कचरा प्रबंधन नवीनतम कृषि संयंत्रों का विकास तथा रोड एक्सीडेंट से कैसे सेंसर के माध्यम से बचा जा सकता है आदि विषयों पर विद्यार्थियों ने निदेशक महोदय को अपने मॉडल दिखाए। डॉ मयंक जो स्वयं विज्ञान के विद्यार्थी रहे हैं राज्य परियोजना निदेशक के रूप में विज्ञान अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए हर संभव कदम उठाते रहते हैं। विद्यार्थियों को नए विषयों पर अनुसंधान करने के लिए प्रेरित किया। जिला शिक्षा अधिकारी संध्या और जिला परियोजना संयोजक अनीता चौधरी ने विकसित भारत बिल्ड्थान कार्यक्रम की सार्थकता पर प्रकाश डाला और सुव्यवस्थित आयोजन और प्रदर्शन के लिए संस्कृति विद्यालय की प्राचार्य नीलू कात्याल की प्रशंसा की।

पंजाब में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत करने के लिए 236 नए आम आदमी क्लीनिक खोले जा रहे हैं: डॉ. बलबीर सिंह

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। राज्य में सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल ढांचे को और मजबूत करने के व्यापक मिशन की शुरुआत करते हुए, मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार राज्य में 236 नए आम आदमी क्लीनिक खोलने के लिए पूरी तरह तैयार है। इन नए क्लीनिकों के साथ कुल क्लीनिकों की संख्या 1,117 हो जाएगी। यह घोषणा आज यहां पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने की।

स्वास्थ्य मंत्री सिविल सर्जनों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

आम आदमी क्लीनिकों की उल्लेखनीय सफलता पर प्रकाश डालते हुए, डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि इस पहल ने आम जनता की गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक देखभाल तक पहुँच में उल्लेखनीय वृद्धि की है। पंजाब विकास आयोग द्वारा हाल ही में कराए गए मरीज फीडबैक सर्वेक्षण का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि 96 प्रतिशत मरीजों ने क्लीनिकों की सेवाओं से संतुष्टि व्यक्त की है, जो इन क्लीनिकों की प्रभावशीलता को दर्शाता है।

राज्य सरकार की नागरिकों के स्वास्थ्य और कल्याण को प्राथमिकता देने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए, डॉ. बलबीर सिंह ने सिविल सर्जनों को नए आम आदमी क्लीनिकों की स्थापना में तेजी लाने और इनके समयबद्ध संचालन को सुनिश्चित करने के लिए डॉक्टरों एवं आवश्यक स्टाफ की भर्ती तुरंत शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आशा वर्करों को स्वास्थ्य किट और सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) को आवश्यक उपकरण प्रदान कर प्राथमिक हेल्थकेयर नेटवर्क को सशक्त किया जाएगा, जिससे जमीनी स्तर पर देखभाल सेवाएं बेहतर ढंग से उपलब्ध हो सकेंगी।

डॉ. बलबीर सिंह ने घोषणा की कि पंजाब छाती के कैंसर और स्ट्रोक जैसी गंभीर बीमारियों की शीघ्र पहचान और इसके प्रबंधन के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक के उपयोग में अग्रणी है। बाल स्वास्थ्य सुरक्षा पहल के तहत, सभी 250 आरबीएसके टीमों को एआई ऑटो रिफ्रेक्टर उपकरणों से लैस किया जाएगा ताकि स्कूली बच्चों में दृष्टि/रिफलेक्टिव दोषों की समय पर पहचान की जा सके। इस कार्यक्रम के तहत प्रभावित बच्चों को चश्मे भी उपलब्ध कराए जाएंगे जिससे उनकी दृष्टि और भविष्य सुरक्षित रहेगा।

साईं मंदिर में बाबा के महा समाधि दिवस पर भक्तजनों को मिलेगा बाबा के मंगल स्नान का मौका

प्रसिद्ध गायक परवीन मुद्गल करेंगे बाबा के भजनों का गुणगान

चण्डीगढ़ : से. 29 स्थित श्री साईं धाम में 15 अक्तूबर को बाबा का महासमाधि दिवस मनाया जाएगा। मंदिर कमेटी के सचिव मनीष गुप्ता ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि सर्वप्रथम रोजाना की भांति सुबह सवा पांच बजे कांकड़ आरती होगी। तत्पश्चात पौने छह बजे से साईं जी का मंगल स्नान होगा जिसमें पुरुष भक्तजन अपने हाथों से बाबा को स्नान करवा सकेंगे। प्रातः 7 बजे बाबा का श्रृंगार होगा व 7.15 बजे बाबा को नाश्ता भोग अर्पित के बाद महिला भक्तों द्वारा बाबा को पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। तत्पश्चात सुबह 8 बजे से बाबा का 8 घंटे का लगातार साईं सच्चरित्र का पाठ होगा। सांय 7.00 बजे प्रसिद्ध गायक परवीन मुद्गल बाबा के भजनों का गुणगान करेंगे, जो साईं इच्छा तक चलेगा। रात्रि 8.30 बजे बाबा को भोग के बाद भक्तों के लिए अटूट भंडारे का आयोजन भी किया गया है। इसी बीच मंदिर परिसर को फूलों एवं लाइटों से सुसज्जित किया गया है।

गढ़वाल सभा की पहली आम बैठक 19 अक्तूबर को

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। गढ़वाल सभा, चण्डीगढ़ की वर्तमान कार्यकारिणी के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सभा की पहली आम बैठक 19 अक्टूबर दिन रविवार को सुबह 11 बजे, गढ़वाल भवन प्रांगण में आयोजित की जा रही है।

सभा के महासचिव वीरेंद्र कंडारी ने बताया कि इस अवसर पर भवन में किए गए विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी आम सदस्यों को दी जाएगी तथा आर्थिक लेखा-जोखा भी प्रस्तुत किया जाएगा।

सभा के प्रधान शंकर सिंह पंवार ने बताया कि संविधान संशोधन समिति द्वारा वर्ष 2014 के बाद किए गए कुछ संशोधनों, जिन्हें कार्यकारिणी द्वारा स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है, को अनुमोदन हेतु आम बैठक में प्रस्तुत किया जाएगा।

पारंपरिक चिकित्सा की बढ़ती प्रासंगिकता

जलवायु परिवर्तन और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के दौर में प्राचीन चिकित्सा पद्धति स्थायी स्वास्थ्य सेवा समाधान प्रदान कर सकती है

लेखक: श्री प्रतापराव जाधव, केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार, इसके 88 प्रतिशत सदस्य देशों - 194 देशों में से 170 - में पारंपरिक चिकित्सा का प्रचलन है। विशेष रूप से निम्न और मध्यम आय वाले देशों में, यह चिकित्सा प्रणाली अपने सुलभ और किफायती सेवा के कारण अरबों लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवा का प्राथमिक रूप बनी हुई है। तथापि, इसका महत्व उपचार से आगे बढ़कर जैव विविधता संरक्षण, पोषण सुरक्षा और स्थायी आजीविका को बढ़ावा देने तक विस्तृत है।

व्यापारिक रुझान दिखाते हैं कि लोग इसे तेजी से अपना रहे हैं। विश्लेषकों का अनुमान है कि वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा बाजार 2025 तक 10 प्रतिशत -20 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर के साथ 583 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा। चीन का पारंपरिक चिकित्सा क्षेत्र 122.4 अरब डॉलर, ऑस्ट्रेलिया का हर्बल औषधि उद्योग 3.97 अरब डॉलर और भारत का आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा एवं होम्योपैथी (आयुष) क्षेत्र 43.4 अरब डॉलर के मूल्य का है। यह विस्तार स्वास्थ्य सेवा दर्शन में एक मूलभूत बदलाव को दर्शाता है - प्रतिक्रियात्मक उपचार मॉडल से सक्रिय, निवारक दृष्टिकोणों की ओर, जो केवल लक्षणों के बजाय मूल कारणों पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

भारत का आयुर्वेदिक परिवर्तन

भारत के पारंपरिक चिकित्सा क्षेत्र में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है। 92,000 से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों वाले आयुष उद्योग का एक दशक से भी कम समय में लगभग आठ गुना विस्तार हुआ है। विनिर्माण क्षेत्र का राजस्व 2014-15 के 21,697 करोड़ रुपये से बढ़कर वर्तमान में 1.37 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है, जबकि सेवा क्षेत्र ने 1.67 लाख करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया है।

भारत अब 150 से ज़्यादा देशों को 1.54 अरब डॉलर मूल्य के आयुष और हर्बल उत्पादों का निर्यात करता है और आयुर्वेद को कई देशों में एक चिकित्सा पद्धति के रूप में औपचारिक मान्यता मिल रही है। यह वैश्विक मंच पर आर्थिक अवसर और सॉफ्ट पावर, दोनों का प्रतिनिधित्व करता है।

राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (2022-23) द्वारा आयुष पर किए गए पहले व्यापक सर्वेक्षण से लगभग सार्वभौमिक जागरूकता का पता चलता है - ग्रामीण क्षेत्रों में 95 प्रतिशत और शहरी केंद्रों में 96 प्रतिशत। पिछले वर्ष आधी से ज़्यादा आबादी ने आयुष प्रणालियों का उपयोग करने की जानकारी दी थी और आयुर्वेद कायाकल्प और निवारक देखभाल के लिए पसंदीदा विकल्प के रूप में उभरा है।

वैज्ञानिक मान्यता, वैश्विक विस्तार

भारत ने अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान और केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद सहित कई संस्थानों के माध्यम से अनुसंधान में महत्वपूर्ण निवेश किया है। ये संस्थान नैदानिक सत्यापन, औषधि मानकीकरण और एकीकृत देखभाल मॉडल विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जो पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के साथ जोड़ते हैं।

आयुष मंत्रालय की अंतर्राष्ट्रीय सहयोग योजना के माध्यम से भारत की वैश्विक आयुर्वेद पहुँच ने अभूतपूर्व स्तर हासिल किया है। भारत ने 25 द्विपक्षीय समझौतों और 52 संस्थागत साझेदारियों पर हस्ताक्षर किए हैं, 39 देशों में 43 आयुष सूचना प्रकोष्ठ स्थापित किए हैं और विदेशी विश्वविद्यालयों में 15 शैक्षणिक विभागों की स्थापना की है।

भारत में डब्लूएचओ वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा केंद्र की स्थापना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। भारत सरकार से समर्थन प्राप्त इस केंद्र का उद्देश्य आधुनिक विज्ञान, डिजिटल स्वास्थ्य और कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहित उभरती प्रौद्योगिकियों के माध्यम से पारंपरिक चिकित्सा की क्षमता का उपयोग करना है।

पारंपरिक चिकित्सा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के एकीकरण पर विश्व स्वास्थ्य संगठन का हालिया प्रकाशन इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे उन्नत प्रौद्योगिकियां नैदानिक सत्यापन को मजबूत कर सकती हैं, बड़े डेटा विश्लेषण को सक्षम बना सकती हैं और आयुर्वेद व संबंधित प्रणालियों में पूर्वानुमान देखभाल प्रणाली को बेहतर बना सकती हैं।

आयुर्वेद जन-जन के लिए, पृथ्वी के कल्याण के लिए

आयुर्वेद का मूल दर्शन - शरीर और मन, मानव और प्रकृति, उपभोग और संरक्षण के बीच संतुलन - समकालीन चुनौतियों के लिए प्रासंगिक समाधान प्रस्तुत करता है। जहाँ एक ओर दुनिया जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों और जलवायु परिवर्तन से जूझ रही है, वहीं आयुर्वेद एक ऐसी रूपरेखा प्रदान करता है, जो व्यक्तिगत और पृथ्वी के स्वास्थ्य, दोनों का समाधान करने में सक्षम है।

भारत वैश्विक स्तर पर पारंपरिक चिकित्सा को मुख्यधारा में लाने के प्रयासों का नेतृत्व कर रहा है। यह दृष्टिकोण निवारक, किफायती, समावेशी और स्थायी स्वास्थ्य देखभाल पर ज़ोर देता है। आयुर्वेद न केवल एक चिकित्सा प्रणाली, बल्कि एक कल्याण अभियान का प्रतिनिधित्व करता है, जो पारंपरिक ज्ञान को समकालीन आवश्यकताओं से जोड़ता है।

प्राचीन ज्ञान का आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी के साथ समन्वय, पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों को वैश्विक स्वास्थ्य संरचना में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की सुविधा देता है। इस वर्ष आयुर्वेद दिवस पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों की क्षमता की याद दिलाता है, जो लोग और अपनी पृथ्वी के संदर्भ में एक अधिक संतुलित और स्थायी भविष्य में योगदान दे सकती है।

संपादकीय

दुनिया को मिला शांति का संदेश

वेनेजुएला में विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को वर्ष 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार देने का एलान न केवल शांति के पक्ष में उनके दृढ़ संकल्प को दर्शाता है, बल्कि महिला सशक्तीकरण की दृष्टि से भी इसे एक मिसाल के तौर पर देखा जा रहा है। शांति का अर्थ व्यापक है, इसमें संघर्ष और हिंसा से दूर रहना, समाज में सद्भाव एवं समानता, मानवाधिकारों की रक्षा, समृद्धि और न्याय जैसे तत्त्व भी शामिल होते हैं। मचाडो को अपने देश में लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा और विपक्ष को एकजुट कर संपूर्ण व्यवस्था में सुधार लाने के वास्ते शांतिपूर्ण प्रयासों के लिए यह पुरस्कार मिला है।उन्हें एक ऐसी शख्सियत के तौर पर देखा जा रहा है, जिन्होंने तमाम मुश्किलों और बाधाओं को अपने साहस एवं जज्बे से मात देकर शांति की राह पर आगे बढ़ने की सीख दी है। उन्हें एक ऐसी महिला के रूप में भी मान्यता मिली है, जो व्यवस्थागत अंधकार के बीच लोकतंत्र की लौ जलाए रखने में सक्षम हैं। इससे पहले उन्हें यूरोपीय संघ के सर्वोच्च मानवाधिकार पुरस्कार 'सखारोव' से भी सम्मानित किया जा चुका है।मारिया मचाडो वेनेजुएला में राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार थीं, लेकिन चुनाव प्रक्रिया के दौरान उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। इससे पहले उन्होंने गहन तौर पर विभाजित रहे विपक्ष को एकजुट करने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने एक ऐसा विपक्ष खड़ा किया, जिसने स्वतंत्र चुनाव और प्रतिनिधि सरकार की मांग को समान रूप से उठाया। बाद में उन पर कई तरह के प्रतिबंध लगा दिए गए। उनकी जान को गंभीर खतरा था, इसके बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और वे शांतिपूर्ण तरीके से लोकतांत्रिक अधिकारों की लड़ाई लड़ती रहीं।यह सच है कि किसी भी पुरस्कार का असली हकदार वही होता है, जिनके अभूतपूर्व कार्यों और उनके प्रभाव की तस्वीर धरातल पर साफ नजर आती हो।

शांति के नोबल पुरस्कार का ट्रंप का सपना धरा का धरा ही रह गया है और अब 30 प्रतिशत टैरिफ के अतिरिक्त 100 प्रतिषत और यानी कि 130 प्रतिशत टैरिफ लगाकर चीन के खिलाफ भी आर्थिक क्षेत्र में खुली जंग ही छेड़ दी है।धमकाने और धौंस की नीति पर चल रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी झूठी चौधराहट और खनिजों के चक्कर में लगता है दुनिया के देशों में अमेरिकी विरोधियों की बड़ी फौज ही तैयार करते जा रहे हैं।

धौंस-धमकान की नीति ट्रंप के लिए होगी आत्मघाती

(डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा)

शांति के नोबल पुरस्कार का ट्रंप का सपना धरा का धरा ही रह गया है और अब 30 प्रतिशत टैरिफ के अतिरिक्त 100 प्रतिषत और यानी कि 130 प्रतिशत टैरिफ लगाकर चीन के खिलाफ भी आर्थिक क्षेत्र में खुली जंग ही छेड़ दी है। कनाडा को अमेरिका का नया राज्य बनाने और रुस यूक्रेन युद्ध के पीछे के अमेरिकी एजेंडे को आज दुनिया क देश समझ ही चुके हैं। पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष के साथ डिनर के माध्यम से अमेरिका के गिरते स्तर को दुनिया क देश देख ही चुके हैं। भारत जैसे देश से पंगा लेना सबके सामने हैं। पाकिस्तान पर भी खनिजों के चक्कर में डोरे ड़ाले जा रहे हैं। देखा जाए तो ट्रंप का रवैया जिस तरह का दूसरी बार सत्ता संभालने के बाद देखने को मिल रहा है वह गली मौहल्ले के गुंडे मवाली जैसा ही दिखाई देने लगा है। दुनिया के देशों को धमकाना जैसे ट्रंप का काम ही हो गया हो। दुनिया के देशों में युद्ध समाप्त कराने का झूठा तमगा पहनने के प्रयास और शांति के नोबल पुरस्कार के लिए नोबल संस्था तक को धमकाने के कुत्सित प्रयास से ट्रंप स्वयं और अमेरिका दोनों की ही हेठी कराने में कोई कमी नहीं छोड़ रहे हैं।

चीन से पहले भारत पर भी 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने और वीजा नियमों में बदलाव से अपने ही पांवों में ठोकर मारी है। हालांकि भारत किसी भी तरह के ट्रंप के दबाव में नहीं आया और सबसे बड़ी तोहिन तो यह रही कि भारत ने इस पर प्रतिक्रिया तक व्यक्त करने की जेहमत नहीं उठाई जिसके कारण अमेरिका का तमतमाना लाजिमी भी हो जाता है। अमेरिका ने भारत पर सौ प्रतिशत टैरिफ लगाने के बाद सोचा था कि भारत घुटनों के बल आ जाएगा पर हुआ इसका उल्टा ही और भारत ने नये बाजार की संभावनाएं तलाशना आंरभ कर दिया। आर्थिक विश्लेषकों का मानना है कि अब चीन पर अमेरिकी टैरिफ वार का लगता है भारत पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और भारत की निर्यात की संभावनाओं को पर लगने के अधिक आसार हो जाएंगे। स्वाभाविक है चीन के उत्पाद महंगे हो जाएंगे और भारतीय उत्पाद कपड़ा, हैण्डिक्राफ्ट, खिलौने आदि आदि तुलनात्मक रुप से सस्ते होंगे तो भारतीय उत्पादों की मांग कम होने के स्थान पर बढ़ेंगी ही। जानकारों का मानना है कि अमेरिकी टैरिफ वार अमेरिका पर ही उल्टा पड़ना है। आज अमेरिका भारतीय प्रतिभाओं का लाभ उठा रहा है पर नए वीजा नियमों और विदेशियों को पलायन करने के

बाध्यकारी आदेशों से अमेरिका आने वाले समय में शून्यता की और ही बढ़ेगा। लगता तो यहां तक है कि आने वाले समय में अमेरिका विदेशी प्रतिभाओं से शून्य हो जाएगा और अमेरिकी प्रतिभाओं को आगे आना इतना आसान भी नहीं होगा। इधर ट्रप के व्यवहार के चलते श्वेत-अश्वेत की खाई चौड़ी होती जा रही है।

बीसवीं सदी के अंत में दुनिया के देशों में विश्वग्राम का सपना देखा था, इस दिशा में दुनिया के देश आगे भी बढ़े थे और फिर संचार क्रान्ति ने तो दुनिया के देषों को लगभग विश्वग्राम बना ही दिया पर जिस तरह के हालात ट्रंप जैसे अति महत्वाकांक्षी द्वारा उठाये जा रहे हैं, उससे विश्वग्राम का सपना बीच राह में ही टूटता नजर आने लगा है। एक दूसरे के सहयोग और समन्वय की बात तो ट्रंप ने भुला ही दी है। फिर सबकों एक ही लकड़ी से हांकने की नीति भी आत्मघाती बनती जा रही है। अमेरिका को समझना यह होगा कि आज आप किसी पर टैरिफ का दबाव बढ़ाते हो तो अन्य देशों के लिए राह आसान कर रहे हो। हो यह रहा है कि टैरिफ की मार का सबसे नकारात्मक प्रभाव अमेरिका पर ही पड़ना है। एक तरफ अमेरिका की जरुरतों को पूरा करने में जुटे विदेशी देषों के उत्पाद महंगे होंगे तो दूसरी और अमेरिकी इकोनोमी पर भी निश्चित रुप से विपरीत प्रभाव पड़ना ही है। आज दूसरे देशों के प्रति निर्भरता बढ़ी है और ऐसे में आगे बढ़ने के लिए दो मोर्चों पर जुटना पड़ता है। पहले तो यह कि दूसरे देशों में आ रहे बदलावों, तकनीक आदि को समझना और फिर उस तकनीक को अपनी जरुरत के अनुसार अपने देश में विकसित करना। अमेरिका दरअसल दूसरों की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करना चाहता है पर वह यह भूल रहा है कि इकोनोमी एक दूसरे की सहायता से आगे बढ़ती हैं। देसी-विदेशी मांग को बढ़ाना ही होता है। स्थानीय के साथ ही विदेशों में भी बाजार खोजना होता है। ऐसे में बड़े बड़े व्यापार समझौते देशों के बीच होते हैं। अमेरिका ने जिस तरह से व्यापार समझौतों को दरकिनार कर टैरिफ वार और तरह तरह के अवरोध खड़े करने के प्रयास किये हैं उनका असर अंततोगत्वा अमेरिकी इकोनोमी पर भी पड़ना ही है। लगता है ट्रंप अमेरिका को आत्मघाती गोल की तरफ ले जा रहा है।

दुनिया के देशों को वैश्विक ग्राम की परिकल्पना को ही आगे बढ़ाना होगा। आज दुनिया और दुनिया के देश कहां खड़े हैं यह कोरोना काल में सबको पता चल चुका है। इसके साथ ही जिस तरह से युद्ध और वैश्विक अशांति के चलते पलायन का दौर चला है उसका खामियाजा फ्रांस सहित योरोपीय देश भुगतने लगे हैं। ऐसे में समय रहते नीतियों मे बदलाव जरुरी हो जाता है। जिस तरह से तकनीक ने एक दूसरे को नजदीक लाने का प्रयास किया है उसे आगे बढ़ाना वैश्विक नेताओं का दायित्व हो जाता है। आज एकला चालो रे की नीति से आगे बढ़ने और कुछ पाने की कल्पना करना बेमानी होगा, यह देर सबेर समझना ही होगा।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

रेयर अर्थ को लेकर चाइना का रोज रोज का झँझट खत्म करने की तैयारी में हैं मोदी

(नीरज कुमार दुबे)

भारत सरकार दो महीने का रेयर अर्थ भंडार तैयार करने की योजना बना रही है, जिसमें निजी क्षेत्र की भागीदारी को भी प्रोत्साहन दिया जाएगा। यह कार्यक्रम 'नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन' के अंतर्गत शुरू होगा, जिसके तहत पहले से ही 500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। वैश्विक रणनीति और औद्योगिक प्रतिस्पर्धा के इस युग में 'रेयर अर्थ एलिमेंट्स' केवल वैज्ञानिक तत्व नहीं रहे बिल्क् ये अब भू-राजनीतिक शक्ति का स्रोत बन चुके हैं। चीन द्वारा रेयर अर्थ मैग्नेट के निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंधों ने न केवल अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं में हलचल मचा दी है, बल्कि भारत सहित विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को अपनी रणनीतियाँ पुनः परिभाषित करने पर मजबूर कर दिया है। इसी पृष्ठभूमि में भारत सरकार अब नेशनल क्रिटिकल मिनरल स्टॉकपाइल कार्यक्रम शुरू करने की तैयारी में है जो आने वाले वर्षों में भारत की तकनीकी और सामरिक आत्मनिर्भरता का आधार स्तंभ बन सकता है। हम आपको बता दें कि रेयर अर्थ तत्व कुल 17 विशिष्ट धात्विक तत्वों का समूह हैं, जिनमें नियोडिमियम, प्रसीओडिमियम, डिसप्रोसियम आदि शामिल हैं। इन तत्वों की खासियत यह है कि ये आधुनिक प्रौद्योगिकी की लगभग हर अहम मशीनरी में काम आते हैं– इलेक्ट्रिक वाहनों के मोटर, पवन चक्कियों के टर्बाइन, मोबाइल फोन, मिसाइलों के गाइडेंस सिस्टम और

यहां तक कि उपग्रहों के इलेक्ट्रॉनिक सर्किट में भी। इनकी मांग तेजी से बढ़ रही है, लेकिन विश्व आपूर्ति का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा अभी भी चीन नियंत्रित करता है। जब चीन निर्यात पर रोक लगाता है, तो वैश्विक उद्योगों की नींव डगमगा जाती है। ऐसे में भारत की यह पहल केवल औद्योगिक नीति नहीं, बल्कि सामरिक आवश्यकता भी है। हम आपको बता दें कि भारत सरकार अब दो महीने का रेयर अर्थ भंडार तैयार करने की योजना बना रही है, जिसमें निजी क्षेत्र की भागीदारी को भी प्रोत्साहन दिया जाएगा। यह कार्यक्रम 'नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन' के अंतर्गत शुरू होगा, जिसके तहत पहले से ही 500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस पहल का पहला लक्ष्य रेयर अर्थ तत्वों की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करना है, ताकि देश में रेयर अर्थ मैग्नेट उत्पादन को गति मिल सके। इसके लिए सरकार ने पहले ही 7,300 करोड़ रुपये के प्रोत्साहन कार्यक्रम को मंजूरी दी है, जिसका उद्देश्य अगले पांच वर्षों में 6,000 टन उत्पादन हासिल करना है। सरकार का इरादा भविष्य में इस दायरे को अन्य महत्वपूर्ण खनिजों– जैसे लिथियम, कोबाल्ट, निकल और ग्रेफाइट तक विस्तारित करने का भी है। हम आपको बता दें कि भारत में रेयर अर्थ की उपलब्धता का अनुमान लगभग 7.23 मिलियन टन रेयर अर्थ ऑक्साइड का है, जो मुख्यतः 13.15 मिलियन टन मोनाजाइट अयस्क में पाया जाता है। ये अयस्क आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल, झारखंड, गुजरात और महाराष्ट्र के तटीय इलाकों में फैले हुए हैं। हालांकि, असली चुनौती इन तत्वों को निकालने और शुद्ध करने की तकनीकी क्षमता की है। वर्तमान में भारत अपने घरेलू भंडारों से इन तत्वों का सीमित उपयोग करता है और प्रोसेसिंग के लिए बड़े पैमाने पर चीन और अन्य देशों पर निर्भर है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को यदि वास्तविक आत्मनिर्भरता हासिल करनी है, तो केवल भंडारण नहीं, बल्कि प्रसंस्करण और परिष्करण तकनीकों में निवेश करना होगा। देखा जाये तो चीन के कदम ने यह स्पष्ट कर दिया है कि 'खनिज कूटनीति' आने वाले दशकों में ऊर्जा और रक्षा नीति का नया मोर्चा बनेगी। अमेरिका ने भी इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी है और चीनी आयात पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की चेतावनी दी है। भारत के लिए यह अवसर और चुनौती दोनों है। यदि भारत समय रहते अपनी तकनीकी क्षमता विकसित कर लेता है और वैकल्पिक आपूर्ति स्रोतों– जैसे ऑस्ट्रेलिया, वियतनाम, ब्राज़ील या अफ्रीकी देशों से साझेदारी करता है, तो वह न केवल अपनी घरेलू जरूरतें पूरी कर सकेगा बल्कि एशिया में एक सप्लाई हब के रूप में उभर सकता है। हम आपको बता दें कि खनिज मंत्रालय ने अब तक पाँच चरणों में 55 रणनीतिक और महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉकों की नीलामी की है, जिनमें से 34 सफलतापूर्वक आवंटित किए जा चुके हैं। छठा चरण हाल ही में आरंभ हुआ है। यह निरंतरता दर्शाती है कि भारत अब खनिज नीति को केवल संसाधन-शोधन तक सीमित नहीं रखना चाहता, बल्कि इसे राष्ट्रीय सुरक्षा और औद्योगिक नीति के साथ जोड़ रहा है। हम आपको बता दें कि रेयर अर्थ केवल 'भू-संसाधन' नहीं हैं बल्कि ये भारत के मेक इन इंडिया और ग्रीन एनर्जी ट्रांजिशन की आत्मा हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों, सौर ऊर्जा, और रक्षा उपकरणों के लिए ये तत्व उतने ही जरूरी हैं जितना तेल किसी अर्थव्यवस्था के लिए। देखा जाये तो भारत का यह कदम समयोचित और दूरदर्शी है। जब चीन जैसी ताकतें आपूर्ति को कूटनीतिक हथियार बना रही हैं, तब भारत अपनी स्वतंत्र आपूर्ति व्यवस्था और भंडारण नीति के माध्यम से सप्लाई सिक्योरिटी का मजबूत ढांचा तैयार कर रहा है। फिलहाल मात्र दो महीने का भंडार और सीमित क्षमता एक शुरुआत है, लेकिन दिशा स्पष्ट है। यह उस भारत की झलक है जो हर संकट को अवसर में बदलना जानता है। रेयर अर्थ के इस दौर में भारत ने संदेश दिया है- 'खनिज भी अब रणनीति हैं और आत्मनिर्भरता ही सर्वोच्च कूटनीति है।'

वर्ग पहेली 5883

संकेतः बाएं से दाएं

1. भारत का यह न्यूनतम जनसंख्या घनत्व वाला राज्य है (8)
7. आवृत्ति, परत, पुट (2)
8. फलित ज्योतिष राशियों में से एक (2)
9. हिंदी साहित्य में एक रस जिसका स्थायी भाव निर्वेद है, मौन (2)
10. वर्तमान दौर का भारतीय क्रिकेटर, असीन, वृहल (3)
11. किन्हीं दो स्थानों की दूरी तय करने वाली विभक्ति, पर्यंत (2)
12. धारण क्षमता, गुंजाइश (3)
13. मयूर, हमारा राष्ट्रीय पक्षी (2)
14. मोहित करने वाला, मोहने वाला (3)
15. मित्र, दोस्त, सखा, मीत उपपति (2)
16. वस्तु, पदार्थ, द्रव्य, चीज (1)
17. नाचने मे प्रवृत्त करना (3)
18. झंडा, पताका, फरहरा (2)
20. सच्चरित्र, सदाचारी एवं सज्जन (3)
21. दीपध्वज, नेत्रांजन, अंजन (3)
22. अत्यंत दुबला-पतला, लंबी गर्दन वाला एक जल पक्षी (4)
23. सोने के तार जिनसे कपड़ों पर बेलबूट बनाए जाते है (2)

ऊपर से नीचे

1. पुराणानुसार पाताल सात है, जिनमें यह दूसरा है इसे पुरूष की जांघ कहा है (3)
2. आत्मा, अंतकरण, प्राणवायु (2)
3. चतुर होने की अवस्था (4)
4. माथा, भाल (3)
5. परदेश, दूसरा देश, सीमेतर क्षेत्र, देशांश (4)
6. सौ की पूर्ण संख्या, शत (3)
10. पायलट, विमान संचालित करने वाला (6)
12. बर्दाश्त करने वाला, सहिष्णु (5)
13. एक पौराणिक भक्त राजा जिसमें श्रीकृष्ण की बात मान अपना जीवित शरीर आरे से चिरवाया था (4)
19. वह वस्तु जो जल में उत्पन्न हो (3)
21. कौआ, काकल, काग (2)

वर्ग पहेली 5882 का हल

वे	नि	स			ओं	का	र
श	ब	री		मु	का	म	
	ट		प्र	ख	र		म
को	ना		ग		प्र	ग	ति
ख			ट	क	सा	ल	
खु	दा	ई		म	द		स
ल		मा	कू	ल		बा	ग
ना	दा	न		ज	हां	गी	र

23 साल बाद किसी वेस्टइंडीज ओपनर ने ठोका भारत में टेस्ट शतक

(राहिल सैयद)

वेस्टइंडीज के सलामी बल्लेबाज जॉन कैंपबेल सोमवार को दिल्ली में अपना पहला टेस्ट शतक लगाने के बाद भावुक हो गए और कहा कि समझदारी से शॉट चयन करना उनके लिए कारगर रहा। फॉलोऑन खेलने के बाद कैंपबेल (155 रन, 199 गेंद में) और शाई होप (103 रन, 214 गेंद में) ने तीसरे विकेट के लिए 177 रन की साझेदारी की जिससे वेस्टइंडीज ने शानदार वापसी करते हुए मैच को पांचवें दिन तक खिंचने में सफल रहे।

कैंपबेल ने कहा, 'इस पारी में मेरा शॉट चयन काफी सधा हुआ था। मुझे स्वीप खेलने में हमेशा से मजा आता है। शुक्र है, यह मेरे लिए कारगर रहा।' वेस्टइंडीज ने दूसरी पारी में 390 रन बनाये और भारत को 121 रनों का लक्ष्य दिया। स्टंप्स के समय भारत 2-0 की क्लीन स्वीप से 58 रन दूर था। कैम्पबेल इस तरह 23 साल बाद भारत में टेस्ट शतक बनाने वाले वेस्टइंडीज के पहले सलामी बल्लेबाज बन गये।उनसे पहले वेवेल हाइंड्स ने 2002 में ईडन गार्डन्स में शतक बनाया था। बायें हाथ के इस बल्लेबाज ने रविंद्र जडेजा की गेंद पर लांग ऑन पर छक्का लगाकर अपना शतक पूरा किया। उन्होंने छक्का लगाकर शतक पूरा करने के

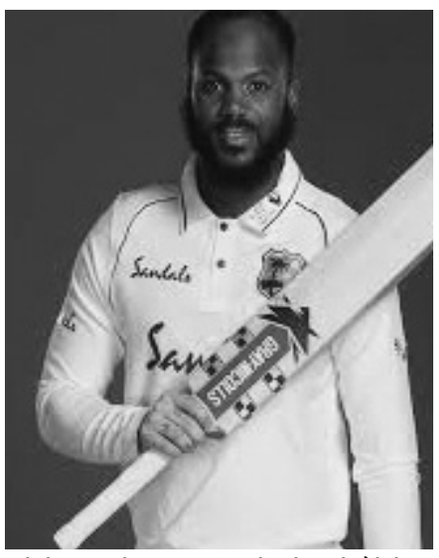

बारे में पूछ जाने पर कहा, 'इस गेंद से पहले मैंने देखा कि जडेजा मिड-ऑन के फील्डर को करीब बुला रहे हैं। ऐसे में मैंने फील्डर के ऊपर से शॉट खेलने का मन बनाया।' उन्होंने कहा, 'मैं दूसरी पारी में टीम के लिए योगदान देखकर खुश हूं।'

आज का राशिफल

मेष

आज का दिन मेष राशि के जातकों का योजनाओं और तैयारियों में बीत सकता है। मेष राशि के स्वामी तुला राशि में होकर सप्तम भाव में स्थित हैं, जिससे व्यक्तिगत और पारिवारिक योजनाओं की तैयारियों में बीत सकता है। आज आपका सोचने का तरीका थोड़ा बदलता हुआ सा दिखेगा।

वृष

आज का दिन वृषभ राशि वालों के लिए सफलता और सम्मान लेकर आने वाला है। आपकी राशि के स्वामी शुक्र इस समय कन्या राशि में विराजमान हैं और मीन राशि पर अपनी शुभ दृष्टि डाल रहे हैं। ऐसे में व्यक्ति का मान-सम्मान बढ़ता है और आर्थिक उन्नति प्राप्त होती है।

मिथुन

आज का दिन थोड़ा भागदौड़ भरा रह सकता है। राशि स्वामी बुध पंचम भाव में सूर्य के साथ होने से कुछ तनावपूर्ण स्थितियां बनती हुई दिख रही हैं। ऐसे में आपके लिए काम के दबाव और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाना जरूरी होगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी चिंता रह सकती है।

कर्क

आज का दिन शुभ संकेत लेकर आया है। चंद्रमा आपकी ही राशि में विराजमान होकर संपत्ति और समृद्धि की ओर इशारा कर रहा है। इस दौरान लंबे समय से रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है। हालांकि इस दौरान कुछ खर्चे भी बढ़ सकते हैं। संतान पक्ष से कोई खुशखबरी मिलने के संकेत भी नजर आ रहे हैं।

सिंह

आज का दिन धन और भाग्य वृद्धि के योग बन रहे हैं। बुध के साथ युति कार्यस्थल में नए अवसर की संभावना दिख रही है। व्यवसाय में साझेदारी और सहयोग से आपको लाभ मिलेगा। आप अपनी मधुर वाणी और सच्ची निष्ठा से लोगों का दिल जीतेंगे। परिवार और सामाजिक जीवन में सम्मान बढ़ेगा।

कन्या

आज का दिन कई लोग आपकी सलाह के लिए आपके पास आएंगे। सूझबूझ और संयम से काम लेना आपके लिए फायदे का सौदा साबित होगा। आपके गुण आगे चलकर आपके लिए लाभदायक रहेंगे। कार्यस्थल पर चुप रहकर काम करना आज आपके लिए बेहतर रहेगा। बेवजह की बहस या विवाद से बचने की कोशिश करें।

तुला

आज का दिन आपके लिए आनंद से भरा रहने वाला है। आपकी राशि के स्वामी शुक्र द्वादश भाव में रहते हुए आपको मानसिक शांति देंगे। सप्तम भाव में स्थित चंद्रमा से उत्तम चंद्र श्री योग बन रहा है, जो सौंदर्य और आकर्षण में वृद्धि का संकेत देता है। आज के दिन किसी निकट मित्र की सलाह से अटके हुए कार्य पूरे हो सकते हैं।

धनु

आज आपको भाग्य का पूरा साथ मिलता हुआ नजर आ रहा है। आपकी राशि के स्वामी देवगुरु बृहस्पति सप्तम भाव में और चंद्रमा अष्टम भाव में रहकर अचानक लाभ के योग बन रहे हैं। आपको किसी अप्रत्याशित स्रोत से धन या शुभ समाचार प्राप्त हो। इस दौरान अपने निर्णयों में जल्दबाजी न करें। कार्यक्षेत्र में आत्मनिर्भरता आपको स्थायी सफलता दिलाएगी।

कुंभ

आज का दिन आपके लिए उन्नति का संदेश लेकर आया है। कुंभ राशि के स्वामी शनि द्वितीय भाव में रहकर धन, कीर्ति और आत्मविश्वास में वृद्धि कर रहे हैं। इस दौरान कठिन परिस्थितियों में भी आप अपनी सूझबूझ से विजय प्राप्त करेंगे। विरोधियों की चालें कमजोर पड़ेंगी और आपकी मेहनत का उचित फल मिलेगा। कार्यक्षेत्र में नए अवसर प्राप्त होंगे।

वृश्चिक

आज का दिन जातकों के लिए सफलता के नए द्वार खुलने वाले हैं। आपकी राशि के स्वामी मंगल द्वादश भाव में और चंद्रमा नवम भाव में स्थित होकर विजय और प्रगति के संकेत दे रहे हैं। इस दौरान लंबे समय से रुके हुए कार्यों में सुधार होगा। किसी वरिष्ठ व्यक्ति की सलाह भविष्य में लाभदायक सिद्ध हो सकती है।

मकर

आज का दिन व्यस्तताओं से भरा रहने वाला है। आपकी राशि के स्वामी शनि तृतीय भाव में और चंद्रमा सप्तम भाव में हैं, जो कार्यक्षेत्र में स्थिरता और मेहनत का संकेत दे रहा है। इस दौरान व्यापार से जुड़े लोगों को नए अवसर मिल सकते हैं। दोपहर तक अपने अधूरे कामों को निपटाने का प्रयास करें। पारिवारिक जीवन में सहयोग और समर्थन मिलेगा।

मीन

आज के दिन में सुख और मनोरथ सिद्धि के योग बना रहे हैं। परिवार में मांगलिक कार्यों की योजना बन सकती है। घर के बुजुर्गों का आशीर्वाद और सहयोग मिलेगा। इस दौरान धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में स्थिरता रहेगी और सहयोगियों से मदद प्राप्त होगी। शाम का समय परिवार के साथ बिताने के लिए उत्तम रहेगा।

इंटेंस टेक्नोलॉजीज ने मजबूत क्रमिक वृद्धि दर्ज की

हैदराबाद, एजेंसी। इंटेंस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड , एक वैश्विक स्तर पर कार्यरत प्लेटफॉर्म-आधारित सेवाओं वाली कंपनी, जो ग्राहक संचार, डेटा प्रबंधन और प्रोसेस ऑटोमेशन में मिशन-क्रिटिकल सॉल्यूशंस प्रदान करती है, ने आज अपने ऑडिट किए गए क्यू2 एफवाय26 के परिणामों की घोषणा की। इन परिणामों में बीएफएसआई, टेलीकॉम और सरकारी क्षेत्रों में कंपनी के निरंतर प्रभाव को उजागर किया गया है। परिणामों पर टिप्पणी करते हुए, इंटेंस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर श्री सी. के. शास्त्री ने कहा- हम टिकाऊ और नवाचार-प्रेरित विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं, साथ ही अपने हितधारकों और ग्राहकों को मापनीय मूल्य प्रदान करने पर भी हमारा पूरा ध्यान है। हम प्रमुख क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति को लगातार सुदृढ़ कर रहे हैं और उभरते अवसरों का लाभ उठा रहे हैं।

विकास सहभागिताएँ - इस तिमाही में हमने अपने पोर्टफोलियो में चार नए बीएफएसआई ग्राहकों को जोड़ा है, जिससे एंटरप्राइज संचालन और ग्राहक सहभागिता को रूपांतरित करने में एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में हमारी स्थिति और भी मजबूत हुई है। हम नए बाज़ारों की सक्रिय रूप से तलाश कर रहे हैं ताकि अपनी उपस्थिति का विस्तार कर सकें, अपने मूल्य प्रस्ताव को सशक्त बना सकें और अतिरिक्त विकास के अवसरों को प्राप्त कर सकें। हम अपने आईपी-आधारित नवाचार को आगे बढ़ा रहे हैं, जिसमें niServe™ Reach (हमारा मार्केटिंग ऑटोमेशन और डिजिटल ग्राहक सहभागिता प्लेटफॉर्म) और Testbook.ai के लिए दो नए कॉपीराइट शामिल हैं, जो नवाचार-प्रेरित विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। हमारी सॉफ्टवेयर विकास और आईटी समर्थन सेवाओं की इकाई को आइएसएसीए के क्षमता परिपक्वता मॉडल एकीकरण के लेवल 3 पर आंका गया है, जो उच्च गुणवत्ता वाली डिलीवरी, मजबूत प्रक्रियाओं और ग्राहकों के लिए निरंतर मूल्य निर्माण पर हमारे फोकस को रेखांकित करता है।

डीपीएनजी की पेशकश पर त्यौहारी सीजन में कीमत कटौती की घोषणा की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की अग्रणी सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी थिंक गैस ने उत्तर प्रदेश, बिहार और पंजाब में कंप्रेस्ड नैचुरल गैस (सीएनजी) पर 2.50 रुपये प्रति किलोग्राम कीमत घटाने की आज घोषणा की जो तत्काल प्रभाव से लागू है। कंपनी इन राज्यों में घरेलू पाइप्ड नैचुरल गैस (डीपीएनजी) की कीमतों में भी 3 रुपये प्रति एससीएम की कमी करेगी। कंपनी ने त्यौहारी सीजन से पहले यह पहल की है जिससे व्यापक स्तर पर ग्राहकों को स्वच्छ ऊर्जा समाधान अपनाने की दिशा में प्रोत्साहन मिलेगा और साथ ही उन्हें काफी बचत भी होगी। थिंक गैस के प्रबंध निदेशक और सीईओ अभिलेश गुप्ता ने कहा, हम हमारे ग्राहकों को मूर्त लाभ उपलब्ध कराने को लेकर प्रतिबद्ध हैं और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा तैयार किए जा रहे अनुकूल नीतिगत वातावरण से उत्साहित हैं। हाल ही में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा सीएनजी और पीएनजी के लिए घरेलू प्राकृतिक गैस का अग्रिम आबंटन जैसे किए गए नीतिगत उपायों के साथ ही टैरिफ जोन्स घटाने के लिएसन्निकट संसोधन से आपूर्ति पूर्वानुमान बढ़ा है, परिवहन लागत घटी है और सीडीजी क्षेत्र की वित्तीय व्यवहार्यता मजबूत हुई है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के निरंतर सहयोग के साथ हम ये लाभ हमारे ग्राहकों तक पहुंचाने की अच्छी स्थिति में हैं। बागपत (यूपी), बेगूसराय (बिहार), बरनाला, मोगा, कपूरथला, लुधियाना और एसबीएस नगर (पंजाब) में सीएनजी की दरें 2.50 रुपये प्रति किलोग्राम और डीपीएनजी की कीमतें 3 रुपये प्रति एससीएम घटा दी गई हैं।

ट्रंप के लाडले बैरन ने भेदिया कारोबार से पैसे कमाए?

टैरिफ संकट के बीच क्रिप्टो शॉर्ट करने के आरोप

नईदिल्ली, एजेंसी। क्रिप्टो की दुनिया में एक खबर ने बवाल मचा दिया है और इसमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सबसे छोटे बेटे बैरन ट्रंप का नाम शामिल है। खबरों के अनुसार 10 अक्तूबर को चीन पर 100त्न टैरिफ लगाने के ट्रंप के फैसले से महज कुछ घंटे पहले अमेरिका में लाखों डॉलर मूल्य का एक बिटकॉइन शॉर्ट किया गया। इस फैसले के तुरंत बाद बिटकॉइन कीमतें फिसल गईं। जिस व्यक्ति ने यह शॉर्ट किया था उसे कथित तौर पर 16 करोड़ से 20 करोड़ डॉलर का मुनाफा हुआ।

हालांकि उस ट्रेडर की पहचान अब तक जाहिर नहीं हुई है, लेकिन सोशल मीडिया पर कयास लगाए जा रहे हैं कि वह ट्रेडर और कोई नहीं बैरन ट्रंप हैं। ट्रम्प के सबसे छोटे बेटे के क्रिप्टो ट्रेडिंग में

शामिल होने की पिछली रिपोर्टों के बीच इस अटकलबाज़ी को बल मिला है। क्रिप्टो की कीमतों में गिरावट पर दांव लगाने की विरोधाभासी प्रकृति और प्रमुख नीतिगत फैसलों में इसकी संलिप्तता को देखते हुए, कई लोगों का मानना है कि यह ट्रम्प परिवार का कोई करीबी था जिसे नीतिगत फैसले की जानकारी लीक हुई थी। लेकिन, अभी तक ऐसी कोई पुष्ट रिपोर्ट नहीं है जिससे पता चले कि बैरन ट्रंप इस सौदे में शामिल व्यापारी नहीं थे। इसके अलावा, जिन्न नाम के एक उपयोगकर्ता ने बिटकॉइन सौदे के पीछे खुद को व्यापारी बताया और स्पष्ट किया कि इस सौदे में ट्रंप के परिवार की कोई संलिप्तता नहीं थी। उपयोगकर्ता ने कहा कि यह सौदा ÷तकनीकी विश्लेषण÷ और बिटकॉइन की एक परिसंपत्ति के रूप में अतिमूल्यवान प्रकृति पर आधारित था। गौरतलब है कि ट्रंप की घोषणा के बाद क्रिप्टो बाजार में भूचाल दिखा। सभी प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी में गिरावट देखी गई। बिटकॉइन .1,25,000 से गिरकर .105,000 पर आ गया। हालांकि, सोमवार को बाजाार खुलते ही इनकी कीमतों में अचानक उछाल आया। ट्रंप के टैरिफ निर्णय के बाद बिटकॉइन की कीमतों में गिरावट चीन पर टैरिफ के एलान के बाद क्रिप्टो बाजार में हाल के समय में सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई। इस दौरान बिटकॉइन 8.4त्न तक फिसल गयाऔर सभी प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी प्रभावित हुईं।

टाटा एआईजी सर्वेक्षण में पाया गया कि, 4 में से 3 कार्डिओलॉजिस्ट्स का मानना है कि, अधिकांश हार्ट पेशंट 50 वर्ष से कम आयु के हैं

मुंबई , एजेंसी। भारत की एक अग्रणी जनरल इन्शुरन्स कंपनी, टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने अपने राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण के निष्कर्ष आज जारी किए, जिसमें लगभग 300 कार्डिओलॉजिस्ट्स के रिस्पॉन्सेस रिकॉर्ड किए गए। इस सर्वेक्षण में युवा भारतीयों में गंभीर हृदय बिमारियों का सामना करने की चिंताजनक प्रवृत्ति का खुलासा हुआ है, साथ ही प्रारंभिक चेतावनी के संकेतों के बारे में लोगों की अज्ञानता और अपर्याप्त वित्तीय तैयारी भी सामने आई है। यह सर्वेक्षण पिछले एक दशक में हृदय देखभाल में आए एक बड़े बदलाव को दर्शाता है। अध्ययन इस बात पर प्रकाश डालता है कि किस प्रकार हृदय रोग युवा भारतीयों को तेज़ी से प्रभावित कर रहा है, 74 प्रतिशत डॉक्टरों ने बताया कि उनके अधिकांश मरीज़ अब 50 वर्ष से कम आयु के हैं। वर्तमान में, 36 प्रतिशत डॉक्टरों के पास आने वाले हृदय मरीज़ों की आयु 31-40 के बीच है, और 38 प्रतिशत डॉक्टरों के पास 41-50 आयु वर्ग के हृदय मरीज़ आते हैं। एक दशक पहले 87 प्रतिशत मामले 41 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के होते थे। सर्वेक्षण के निष्कर्षों के बारे में, सीनियर एग्जीक्यूटिव वाईस प्रेसिडेंट और कंज्यूमर क्लेम्स के नेशनल हेड, श्री राजगोपाल रुद्रराजू ने कहा, यह पहचानना महत्वपूर्ण है कि भारत की हृदय संबंधी चुनौती मेडिकल और वित्तीय दोनों है। युवा लोगों में हृदय की बीमारी की बढ़ती घटनाओं का मतलब है कि परिवार इन समस्याओं के लिए भावनात्मक और आर्थिक दोनों रूप से तैयार नहीं होते हैं। पिछले पांच वर्षों में, कार्डियोलॉजी उपचार की लागत लगभग 65 प्रतिशत से बढ़ी है। हैरानी की बात है कि 78 प्रतिशत डॉक्टरों ने बताया कि मरीज़ सीने में दर्द या बेचैनी को अनदेखा कर देते हैं, जब कि यह हृदय संबंधी समस्याओं का सबसे महत्वपूर्ण प्रारंभिक चेतावनी संकेत है। कई लोग सांस फूलने और किसी भी स्पष्ट कारण के बिना आने वाली थकान को भी नज़रअंदाज़ कर देते हैं, जिससे निदान में देरी होती है।

इस त्योहारी मौसम में 'संसार' लाए

इंदौर, एजेंसी। भारत में त्योहार केवल रीति-रिवाज़ निभाने का समय नहीं होते, बल्कि रिश्तों के फिर से करीब आने का अवसर होते हैं। यह वह मौसम है जब परिवार एक साथ बैठते हैं, पुराने दोस्त अचानक मिलने चले आते हैं और पड़ोसी चाय के एक प्याले पर घंटों हँसी-मज़ाक में डूब जाते हैं। ऐसे में घर को भी उसी आत्मीयता, उत्साह और रंगीनता से भरा होना चाहिए, वह स्वागत करने वाला, जीवंत और व्यक्तित्व से भरपूर होना चाहिए। अगर आप अपने घर को त्योहारी रंग-रूप देना चाहते हैं, तो इसका सर्वोत्तम उपाय संसार है । डी'डेकोर समूह के अंतर्गत आने वाला यह गृह-सज्जा ब्रांड आपके घर को सादगी, गरिमा और गर्मजोशी से निखारने का सहज तरीका प्रदान करता है। इसके सुंदर कपड़े और सजावटी उत्पाद आपके घर में आकर्षण बढ़ाते हैं, बिना जगह को बोझिल बनाए। घर का बैठक कक्ष ;लिविंग रूमद्ध हर घर का दिल होता है। यहीं सबसे प्यारी यादें बनती हैं।

दिवाली के रंगों में सजा फैबइंडिया का नया स्वर्णिम 2025 कलेक्शन

मुंबई, एजेंसी। रोशनी, स्नेह और उल्लास के इस मौसम में, फ़ैबइंडिया ने अपने स्वर्णिम दिवाली 2025 कलेक्शन पेश किया है। गहरे पर्पल और ब्लू शेड्स से बना यह कलेक्शन पारंपरिक कारीगरी को आधुनिक डिज़ाइन के साथ जोड़ता है, जो त्योहार के दौरान पहनावे और उपहार दोनों के लिए उपयुक्त है। फ़ैबइंडिया के तैयार किये गए प्रत्येक पीस में भारतीय कारीगरी के प्रति प्रतिबद्धता झलकती है। यह कलेक्शन हस्तनिर्मित कपड़ों और बारीक हस्तकला को आधुनिक डिज़ाइन के साथ जोड़ता है साथ ही हमारे भारतीय विरासत को दर्शाता है जिसमे परंपरा और आधुनिकता का परिपूर्ण मेल है इस कलेक्शन को पूरे परिवार के लिए खास रूप से तैयार किया गया है, महिलाओं के लिए सुंदर कढ़ाईदार और प्रिंटेड कुर्ते, ट्यूनिक और सिल्क साड़ियाँ हैं; पुरुषों के लिए पारंपरिक स्पर्श के साथ बने मॉडर्न कट्स वाले कुर्ता और बंदगला जैकेट उपलब्ध हैं। बच्चों के आउटफिट जैसे स्कर्ट सेट और धोती-कुर्ता सेट को आराम और स्टाइल को ध्यान में रख के तैयार किया गया है फ़ैबइंडिया की फ़ैबहोम रेंज आपके घर को त्योहारी चमक देता है। हाथ से बने दीये, लैंप, कढ़ाईदार सिल्क कुशन, पीतल की थालियाँ आपके घर में आकर्षण बढ़ाते हैं। साथ ही ये उपहार देने के लिए भी एकदम उपयुक्त हैं, जो परंपरा और शान का सुंदर मेल दर्शाते हैं।

सूर्या रोशनी ने बढ़ाया अपना विस्तार

मालनपुर में वायर्स एंड केबल्स प्लांट का शुभारंभ

ग्वालियर, एजेंसी। सूर्या रोशनी, जो लाइटिंग, फैन, होम एप्लायंसेज़, स्टील और पीवीसी पाइप्स के क्षेत्र में देश के सबसे विश्वसनीय और सम्मानित ब्रांड्स में से एक है, ने आज अपने नए वायर्स एंड केबल्स प्लांट का शुभारंभ किया। इस प्लांट का उद्घाटन श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया, केंद्रीय संचार मंत्री एवं उत्तर-पूर्व क्षेत्र के विकास मंत्री, तथा श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, ऊर्जा मंत्री, मध्य प्रदेश सरकार, द्वारा किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत पूजा एवं हवन से हुई, जिसके बाद रिबन काटकर प्लांट का उद्घाटन किया गया। तत्पश्चात अतिथियों ने नए प्लांट का दौरा किया और उसकी अत्याधुनिक तकनीक का अवलोकन किया। सूर्या रोशनी का यह नया प्लांट कंपनी की दीर्घकालिक विकास दृष्टि का हिस्सा है, जिसके तहत कंपनी अपने उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार कर रही है और उच्च गुणवत्ता वाले औद्योगिक एवं उपभोक्ता उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा करना चाहती है। यह यूनिट अत्याधुनिक तकनीक और पूरी तरह ऑटोमैटिक मशीनरी के साज-सामान से युक्त है, जिससे देश और विदेश दोनों के गुणवत्ता मानकों के अनुरूप वायर्स और केबल्स का निर्माण किया जाएगा। देश के केंद्र में स्थित मालनपुर प्लांट कंपनी के लिए एक रणनीतिक स्थान है, जिससे पूरे भारत के प्रमुख बाजारों को आसानी से सेवा दी जा सकेगी। यह न केवल उत्पादन क्षमता को बढ़ाएगा बल्कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित करेगा, जिससे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा और यह 'मेक इन इंडिया' पहल को भी मजबूत करेगा। जे. पी. अग्रवाल, चेयरमैन, सूर्या रोशनी लिमिटेड ने कहा, मालनपुर वायर्स एंड केबल्स प्लांट हमारे लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यह हमारे गुणवत्ता और क्षेत्रीय विकास के प्रति समर्पण को दर्शाता है। यह नया प्लांट भारत की विद्युत संरचना को मजबूत बनाने में सहायक उच्च गुणवत्ता वाले वायर्स और केबल्स तैयार करेगा और स्थानीय स्तर पर नए अवसर उत्पन्न करेगा। राजू बिष्टा, प्रबंध निदेशक, सूर्या रोशनी लिमिटेड ने कहा, यह उद्घाटन सूर्या की यात्रा में एक अहम पड़ाव है। पिछले पाँच दशकों में हमने भारत की विद्युत संरचना और घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए विविध क्षेत्रों में विस्तार किया है। अब वायर्स एंड केबल्स क्षेत्र में प्रवेश कर हम देश को विश्वसनीय, सुरक्षित और उच्च गुणवत्ता वाले विद्युत समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कौस्तुभ कर्माकर, निदेशक, सूर्या रोशनी लिमिटेड ने कहा, मालनपुर वायर्स एंड केबल्स प्लांट एक अत्याधुनिक, पूर्णतः एकीकृत सुविधा है जो उच्च गुणवत्ता वाले तैयार उत्पादों का निर्माण करेगी। वासुमित्र पांडे, सीईओ - लाइटिंग एवं कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, सूर्या रोशनी लिमिटेड ने कहा, मालनपुर वायर्स एंड केबल्स प्लांट हमारे निर्माण उत्कृष्टता और ग्राहक विश्वास के प्रति वचनबद्धता को दर्शाता है।

यह सूर्या के उत्पाद पोर्टफोलियो को और मजबूत करेगा तथा इस क्षेत्र के विकास में भी योगदान देगा।

कोटक बिज़लैब्स ने भारत में 75 से अधिक साहसी स्टार्टअप्स को सशक्त बनाने के लिए सीज़न 2 शुरू किया

मुंबई। आज कोटक महिंद्रा बैंक ने अपने कोटक बिज़लैब्स एक्सेलरेटर प्रोग्राम का दूसरा सीज़न शुरू किया। यह प्रोग्राम इसके मुख्य सीएसआर अभियान के तहत चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य अरली स्टेज के स्टार्टअप्स को मेंटरशिप, बाजार की पहुँच और पूंजी उपलब्ध कराना है। सीज़न 2, अक्टूबर 2025 से नवंबर 2026 तक चलेगा। इसमें भारत के 75 से अधिक स्टार्टअप्स को सहयोग प्रदान किया जाएगा, जो डीप-टेक, सस्टेनेबिलिटी, क्लीन एनर्जी, फिनटेक, डिजिटल टेक्नोलॉजी, एडटेक, एग्रीटेक और हैल्थटेक पर केंद्रित होगा। इस प्रोग्राम का विस्तार उत्तर भारत, दक्षिण भारत, पश्चिमी भारत और मध्य भारत में हो रहा है। आईआईटी दिल्ली का फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर (एफआईटीटी) इसका नया इनक्यूबेशन पार्टनर है। अन्य इनक्यूबेशन पार्टनर आईआईएमए वेंचर्स, एनएसआरसीईएल - आईआईएम बैंगलोर और टी-हब हैं। वेंचर्स के चयन और एक्सेलरेशन सपोर्ट का काम इनक्यूबेटर्स द्वारा संभाला जाएगा। कोटक महिंद्रा बैंक के हेड-सीएसआर एवं ईएसजी, हिमांशु निवरसरकर ने कहा, ''कोटक ने सदैव से भारत में उद्यमिता की भावना को अपना सहयोग देने में यकीन किया है। हम केवल मेट्रो शहरों में नहीं, बल्कि टियर 2 और टियर 3 शहरों के उद्यमों को भी सहयोग देते हैं, जहाँ इनोवेशन का विकास हो रहा है। कोटक बिज़लैब्स एक्सेलरेटर प्रोग्राम के सीज़न 2 के साथ हम उन उद्यमियों को मदद देने की अपनी प्रतिबद्धता का विस्तार कर रहे हैं।

विकसित कृषि संकल्प अभियान का किया समर्थन

मुंबई, एजेंसी। भारत की अग्रणी सामान्य बीमा कंपनियों में से एक, एसबीआई जनरल इंश्योरेंस ने कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के साथ मिलकर दो राष्ट्रीय अभियानों – प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत मेरी पॉलिसी मेरे हाथ अभियान और विकसित कृषि संकल्प अभियान में सक्रिय भागीदारी की घोषणा की है। इन संयुक्त पहलों का उद्देश्य प्रमुख राज्यों – मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, असम, ओडिशा, तमिलनाडु और कर्नाटक – के किसानों को खरीफ मौसम के दौरान सशक्त और सहयोग प्रदान करना है। इसके ज़रिए एसबीआई जनरल इंश्योरेंस का लक्ष्य किसानों में फसल बीमा के प्रति जागरूकता बढ़ाना, उन्हें आर्थिक रूप से मज़बूत बनाना और देशभर में टिकाऊ कृषि विकास को प्रोत्साहित करना है। मेरी पॉलिसी मेरे हाथ अभियान, जो 1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2025 तक चलेगा, का उद्देश्य प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से जुड़े हर किसान तक सीधे पहुंचना है। इस पहल के तहत किसानों को उनकी फसल बीमा पॉलिसी सीधे उनके घर पर सौंपी जाएगी, ताकि प्रक्रिया सरल और सुलभ बने। पॉलिसी वितरण के अलावा, एसबीआई जनरल इंश्योरेंस फसल बीमा पाठशालाओं, महिला केंद्रित कार्यशालाओं जैसे व्यापक जागरूकता अभियान चलाएगा, जो किसानों को फसल बीमा योजनाओं के लाभों और कवरेज विवरणों के बारे में शिक्षित करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से किसानों को दावे से संबंधित प्रक्रियाएं, आवश्यक दस्तावेज़ और समयसीमा के बारे में मार्गदर्शन मिलेगा, जिससे वे किसी कठिन परिस्थिति में आत्मविश्वास के साथ दावा कर सकें और अधिकतम सहायता प्राप्त कर सकें।

विकसित कृषि संकल्प अभियान, जो 3 अक्टूबर से 18 अक्टूबर 2025 तक चलेगा, भारतीय कृषि में परिवर्तन लाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह अभियान किसानों में आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी बढ़ाने पर केंद्रित है, जो पारंपरिक तरीकों को आधुनिक नवाचारों से जोड़ती हैं। सटीक खेती, स्मार्ट सिंचाई और फसल प्रबंधन पर ध्यान देते हुए यह अभियान किसानों को टिकाऊ समाधानों से परिचित कराएगा, जिससे उनकी उत्पादकता और आय स्थिरता दोनों में वृद्धि हो सके। इस अवसर पर श्री नवीन चंद्र झा, प्रबंध निदेशक और सीईओ, एसबीआई जनरल इंश्योरेंस ने कहा- पिछले नौ वर्षों से एसबीआई जनरल को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का साझेदार होने का गौरव प्राप्त है। हमारा वचन केवल बीमा देने तक सीमित नहीं है, बल्कि हर कदम पर किसानों को सुरक्षा और भरोसा प्रदान करना है।

SBI general INSURANCE

SURAKSHA AUR BHAROSA DONO

सैमसंग ने 'एआई फॉर ऑल विज़न के साथ इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025 में भारत की एआई क्रांति का नेतृत्व किया

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत का सबसे बड़ा कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) 2025 में अपने एआई फॉर ऑल विज़न के माध्यम से लोगों के जीने, जुड़ने और नवाचार करने के तरीके को फिर से परिभाषित कर रहा है। इनोवेट टु ट्रांसफॉर्म थीम के साथ तालमेल बिठाते हुए, आईएमसी में सैमसंग का प्रदर्शन एआई-पावर्ड लिविंग और स्थायी कनेक्टिविटी के भविष्य को साकार करता है। सैमसंग के बूथ को उपभोक्ताओं और सभी प्रतिष्ठित दिग्गजों से ज़बरदस्त प्रतिक्रिया मिली, जिनमें श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, केंद्रीय संचार और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री, श्री पेम्मासानी चंद्रशेखर,

संचार राज्य मंत्री और श्रीमती रेखा गुप्ता, दिल्ली की मुख्यमंत्री शामिल थीं। इसके अलावा, दूरसंचार विभाग के सचिव डॉ. नीरज मित्तल और उत्तर प्रदेश के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी कैबिनेट मंत्री श्री सुनील कुमार शर्मा ने प्रदर्शित किए गए अत्याधुनिक समाधानों का अनुभव लिया। गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत जेबी पार्क, प्रेसिडेंट और सीईओ, सैमसंग साउथवेस्ट एशिया ने किया, जिन्होंने सैमसंग के नए एआई-पावर्ड इनोवेशंस का प्रदर्शन किया। जेबी पार्क, प्रेसिडेंट और सीईओ, सैमसंग साउथ वेस्ट एशिया ने कहा, इंडिया मोबाइल कांग्रेस नवाचार और जीवन को बदलने की तकनीक की शक्ति का उत्सव है। सैमसंग में, हम इस भावना को गहराई से साझा करते हैं। हमारा 'एआई फॉर ऑल' विज़न हमारे विश्वास को दर्शाता है कि एआई को पूरे भारत में हर व्यक्ति, व्यवसाय और समुदाय को सशक्त बनाना चाहिए। आईएमसी 2025 में अपने एआई के नेतृत्व वाले नवाचारों का प्रदर्शन करते हुए, हम भारत के साथ भविष्य के सह-निर्माण की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं – एक ऐसा भविष्य जहाँ तकनीक समावेशन को बढ़ावा देती है, नए अवसर खोलती है, और लोगों को बेहतर, अधिक स्मार्ट जीवन जीने में मदद करती है। बुद्धिमत्ता को सहजता से जोड़कर भविष्य को आकार देना जारी रखा है। सैमसंग एआई होम स्मार्टफोन और टीवी से लेकर वियरेबल्स और अप्लायंसेस तक – विभिन्न श्रेणियों में बेहतरीन अनुभव प्रदान करता है। इस इकोसिस्टम के केंद्र में, स्मार्टथिंग्स ऐप सैमसंग उत्पादों को हजारों भागीदार उपकरणों से जोड़ता है, ऐसे घर बनाता है जो न केवल यूजर्स के लिए काम करते हैं बल्कि उनके साथ मिलकर भी काम करते हैं।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, उत्तर रेलवे अंबाला छावनी, भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु निर्धारित प्रपत्र पर खुली निविदाएँ आमंत्रित करते हैं।

1	टेंडर नं	एलपी-01-मेड-सीडीजी, एलपी-01-मेड-एसएमएल एलपी-01-मेड-केएलके, एलपी-01-मेड-डीयूआई
2	कार्य का नाम	स्वास्थ्य इकाई चंडीगढ़, शिमला, कालका, धुरी के लिए दो साल के लिए समय-समय पर जारी दवा खरीद नीति और आईआरपी के अनुसार दवा, सर्जिकल आइटम और उपभोग्य सामग्रियों आदि की दिन-प्रतिदिन की खुदरा स्थानीय खरीद के लिए खुदरा आपूर्तिकर्ता का पैनल।
3	धरोहर राशि/चंडीगढ़	निविदा संख्याः एलपी-01-एमईडी-सीडीजी के लिए आईआरईपीएस पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन भुगतान मोड के माध्यम से 17,500/- रुपये
4	धरोहर राशि/शिमला	निविदा संख्याः एलपी-01-एमईडी-एसएमएल के लिए आईआरईपीएस पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन भुगतान मोड के माध्यम से 3,200/- रुपये
5	धरोहर राशि/कालका	निविदा संख्याः एलपी-01-एमईडी-केएलके के लिए आईआरईपीएस पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन भुगतान मोड के माध्यम से 16,000/- रुपये
6	धरोहर राशि/धुरी	निविदा संख्याः एलपी-01-एमईडी-डीयूआई के लिए आईआरईपीएस पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन भुगतान मोड के माध्यम से 9,600/- रुपये
	पूर्णता अवधि	2 साल
	टेंडर जमा करने और खोलने की अंतिम तिथि और समय	06.11.2025 को 15.00 बजे तक और 06.11.2025 को 15.10 बजे मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, उत्तर रेलवे अंबाला कैंट के कार्यालय में खुलेगा।
	उत्तर रेलवे वेबसाइट	https://ireps.gov.in. निविदाकर्ता अपने जोखिम पर बोली लगाना शुरू कर सकते हैं।

संख्या 43-01-मेड-एलपी-मेडिसिन-एचयू/सीडीजी,
संख्या 43-01-मेड-एलपी-मेडिसिन-एचयू/एसएमएल
संख्या 43-01-मेड-एलपी-मेडिसिन-एचयू/केएलके
संख्या 43-01-मेड-एलपी-मेडिसिन-एचयू/डीयूआई

दिनांक: 13.10.2025

3167/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

दुनिया की इस सबसे छोटी रिवॉल्वर के आगे माचिस की डिब्बी भी बड़ी लगेगी

दुनिया में एक से बढ़कर एक बड़े और घातक हथियार मौजूद हैं. हालांकि, इन विस्फ़ोट हथियारों को दुश्मन की नज़रों से छिपाना आसान नहीं, इसलिए उसे सावधान होने का मौक़ा मिल जाता है. मगर सोचिए, तब क्या हो, जब कोई शख़्स किसी घातक हथियार को अपनी हथेली में छिपाकर घूम रहा हो और आप उसका एकाएक शिकार बन जाएं. जी हां, दुनिया की सबसे छोटी रिवॉल्वर के साथ ये संभव है.

हम बात कर रहे हैं स्विस मिनी गन की. 5.5 सेंटीमीटर लंबी और 1 सेंटीमीटर चौड़ी इस रिवॉल्वर का वज़न महज़ 19.8 ग्राम है. इस बंदूक का नाम सबसे छोटी रिवॉल्वर के तौर पर गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज है. आप ये मत सोचिएगा कि इतनी छोटी गन है, तो इसे चलाया नहीं जा सकता होगा. बता दें, ये गन दूसरी आम गनों की तरह चलती भी है और जान भी ले सकती है. बंदूक के निर्माताओं ने कहा, 'इस बंदूक के लिए किसी की जान लेना थोड़ा कठिन है, क्योंकि बंदूक की शक्ति 1 जूल से कम है. हालांकि, अगर किसी के खोपड़ी के सबसे कमज़ोर हिस्से पर नज़दीक से मारा जाए, तो ये जानलेवा साबित होगी.' बता दें, रिवॉल्वर का ष्ट1स्ञ स्टेनलेस स्टील मॉडल उसी तकनीक से बनाया गया है, जिसका उपयोग स्विस घड़ी बनाने और आभूषणों में किया जाता है. ये एक स्टाइलिश लेदर होल्डर के साथ आता है. बंदूक में 24 लाइव और 24 ब्लैंक कार्ट्रेज भी दिए जाते हैं. बंदूक को की–रिंग के सहारे बेल्ट से भी लटकाया जा सकता है. इस रिवॉल्वर को छिपाना इतना आसान है कि अमेरिका और ब्रिटेन ने इसके इंपोर्ट पर बैन लगा रखा है. जितनी ख़तरनाक और दिलचस्प ये बंदूक है, उतनी ही चौंकाने वाली इसकी क़ीमत भी. इस रिवॉल्व का दाम 5 लाख रुपये से ज़्यादा है. साथ ही, बंदूक का एक गोल्ड वर्ज़न भी उपलब्ध है. हालांकि, इन्हें खास ऑर्डर करने पर ही बनाया जाता है.

दुनिया के ये देश, यहां बसने पर पैसे मिलते हैं

दुनिया के अन्य देशों की सुंदरता और सुविधाएं देखकर कई बार वहां बसने का मन कर जाता है, लेकिन ऐसा करने से जेब रोकती है. क्योंकि अपने देश के अलावा कहीं और बसने में पैसे तो खूब ख़र्च होते हैं. मगर क्या आप जानते हैं? कुछ देश ऐसे हैं, जो अपने यहां बसने के लिए पैसे लेते नहीं, बल्कि देते हैं. सुनकर हैरानी हो रही होगी, लेकिन ये सच है. यहां की सरकारें अपने देश के विकास के लिए लोगों को यहां बुलाती हैं और पैसे देने के साथ-साथ कई तरह की सुविधाएं भी देती हैं. आइए जानते हैं ये कौन-कौन से देश हैं जो अपने यहां बसने के लिए लोगों को पैसे देते हैं. कम से कम लोगों को वहां बसने के लिए 3000 डॉलर भारतीय रुपये में 2,22,096 रुपये से 10,000 डॉलर भारतीय रुपये में 7,40,323 रुपये तक मिलता है.

वर्मोन्ट

अगर अमेरिका में बसने के सपने देखते हैं, तो वर्मोन्ट आपके लिए बेस्ट रहेगा. क्योंकि यहां की सरकार ख़ुद चाहती है कि लोग यहां पर आकर बसें ताकि यहां पर जो कर्मचारियों की कमी है उसको पूरा किया जा सके. यहां पर जो लोग दूसरे देशों से आकर बसते हैं और जो यहां के स्थानीय निवासी हैं सभी के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं एक समान हैं. यहां जाना है तो वर्किंग वीज़ा लेकर जा सकते हैं.

अलास्का

अमेरिका का अलास्का शहर भी रहने के लिए अच्छा विकल्प है. अमेरिकी सरकार चाहती है कि यहां ज़्यादा से ज़्यादा लोग आकर रहें और देश का विकास हो. यहां पर बसने वालों को सरकार की तरफ़ से 2000 डॉलर (भारतीय रुपये में 1,48,061) दिए जाते हैं. यहां पर घर भी काफ़ी सस्ता मिलता है.

वियतनाम

एशिया में स्थित वियतनाम देश अपने व्यापार को बढ़ाना चाहता है ताकि उसकी अर्थवयवस्था बेहतर हो सके. इससे देश का विकास भी अच्छे से होगा. लोगों के यहां आकर बसने से वियतनाम की अर्थव्यवस्था में काफ़ी वृद्धि हुई है. यहां पर रहना अन्य देशों की तुलना में सस्ता है. साथ ही नौकरी और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं भी आसानी से मिल जाती हैं.

दक्षिण कोरिया

एशिया के इस खूबसूरत देश में बसने के लिए अच्छी अंग्रेज़ी जानना ज़रूरी है. अगर आपको इंग्लिश बोलना आता है तो नौकरी आसानी से मिल जाती है. यहां अच्छी शिक्षा के साथ ही रहने का माहौल और वातावरण दोनों ही बहुत अच्छा है. अगर आप जाना चाहें तो यहां वर्किंग वीज़ा पर जा सकते हैं.

थाईलैंड

एशिया में स्थित थाईलैंड देश अपने व्यापार और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए लोगों को बसने का मौक़ा दे रहा है. इस देश की ओर से अमेरिका और कनाडा के लोगों को यहां रहने के लिए बुलाया गया है. थाईलैंड दुनिया के अन्य देशों की तुलना में काफ़ी सस्ता देश है. इसके अलावा यहां पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं भी सस्ते दामों पर मिल जाती हैं.

न्यूयॉर्क का रहस्यमयी झरना

एटर्नल फ्लेम फॉल पानी के बीच जलती है आग की लौ

इंसान प्रकृति के आगे आज भी बौना है. कुदरत के रहस्यों से इंसान आज भी पूरी तरह वाकिफ नहीं हो पाया है. हमारी धरती आज भी कई अनसुलझे सवालों से घिरी है. एक ऐसा ही रहस्यमयी सवाल अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में भी है. यहां एक अनोखा झरना है, जिसके पानी के बीच में आग की लौ जलती नज़र आती है.

न्यूयॉर्क के चेस्टनट रिज पार्क में मौजूद इस रहस्यमयी झरने का नाम 'एटर्नल फ़्लेम फ़ॉल' है. ये झरना कभी सूखता नहीं. पूरे साल इसमें पानी बहता रहता है. साथ ही, पानी के बीच एक आग की लौ लगातार जलती दिखाई देती है. लोग इस आग को लेकर तरह–तरह की कहानियां बनाते हैं. मगर वैज्ञानिक इस रहस्य को आज तक सुलझा नहीं पाए. लोगों का जहां मानना है कि झरने के बीच आग नज़र आने के पीछे दैवीय कारण हैं. वो इसे धरती के विनाश से भी जोड़कर देखते हैं. लोगों का मानना है कि ये आग महाप्रलय के दिन ही बुझेगी. जब तक ये लौ जलती रहेगी, तब तक हमारी पृथ्वी भी सुरक्षित है.

हालांकि, कुछ वैज्ञानिकों ने इस आग के पीछे मीथेन गैस को वजह बताया है. वैज्ञानिकों का कहना है कि झरने के नीचे गुफा में मीथेन गैस निकलती है. ऐसे में शायद किसी ने वहां कभी आग लगा दी हो, और तब से ये लौ जलने लगी. गुफ़ा के नीचे से आ रही मीथेन की वजह से ये बुझती नहीं है. इस थ्योरी को भी ज़्यादातर वैज्ञानिक नहीं मानते. इंडियाना विश्वविद्यालय के शोधकर्ता इस गैस के स्रोत के बारे में अनिश्चित हैं. दरअसल, शोधकर्ताओं का मानना है कि आग लगाने के लिए जो नैचुरल गैस निकलती है, वो बेहद प्राचीन और गर्म चट्टानों से निकलती है. वहीं, न्यूयॉर्क की ये चट्टान इतनी गर्म नही है कि वो इस तरह का रिएक्शन दे सके. उनके मुताबिक, चट्टान में बस एक चाय की प्याले जितनी ही गर्मी है. इसके साथ ही, ये चट्टाने इतनी पुरानी भी नही हैं. दुनियाभर में चट्टानों में जो आग निकलती है, उनके लिये ये दोनों कारक ज़रूरी हैं. इस चट्टान में दोनों ही नहीं पाए जाते. ऐसे में वैज्ञानिक आज भी नहीं समझ पाएं कि इस चट्टान में लगातार जलती इस आग के पीछे की असली वजह क्या है.

अमेरिका के इस रहस्यमयी झरने के छोटे से छेद में समा जाती है पूरी नदी

कुदरत की बनाई ये दुनिया बहुत ही अजीबो–ग़रीब चीज़ों और रहस्यों से भरी पड़ी है. इन रहस्यों से पर्दा उठाने के लिए हमारे वैज्ञानिक और विशेषज्ञ हमेशा लगे रहते हैं. कुछ से पर्दा उठ गया है तो कुछ रहस्य अभी भी अनसुलझे ज्यों के त्यों पड़े हैं. इन्हीं में से एक है The Devil's Kettle. ये अमेरिका में स्थित एक झरना है, जिसके पास एक कड़ाहीनुमा छेद है, जिसमें पूरी नदी का पानी समा जाता है. ये आश्चर्यचकित करने वाली बात है कि छोटे से छेद में कैसे पूरी नदी का पानी समा जाता है और ये पानी कहां जाता है?

रहस्यों से भरा ये खूबसूरत झरना 'सुपीरियर लेक' के उत्तरी किनारे पर मिनेसोटा में Judge C.R. Magney State Park में है. इस अद्भुत झरने को लेकर लोगों में जिज्ञासाएं बनी रहती हैं. इस झरने का स्तोत्र ब्रूल नदी का पानी है, जो घुमावदार, संकरीले चट्टानी रास्तों से नीचे की ओर गिरता है और झरने की तरह गिरता हुआ ये पानी एक छोटे से छेद में समा जाता है. इस झरने के नाम का मतलब 'शैतान की कड़ाही' होता है. हालांकि, वैज्ञानिकों ने कई बार इस बात का पता लगाने की कोशिश की है कि आख़िर ये पानी कहां जाता है? लेकिन इसके रहस्य से पर्दा उठाने में विफल रहे हैं. इन्होंने पानी का रास्ता पता लगाने के लिए वॉटरफ़ॉल में पिंग–पॉन्ग बॉल, कलर डाई आदि डाला, ताकि ये रहस्य खुल सके, लेकिन इससे भी कुछ हासिल नहीं हुआ.

आपको बता दें, झरने का गैलनों लीटर पानी इस कुंड से कहां ग़ायब हो जाता है? इसका पता लगाने के कई प्रयास किए गए, लेकिन ये अभी तक अनसुलझा रहस्य है.

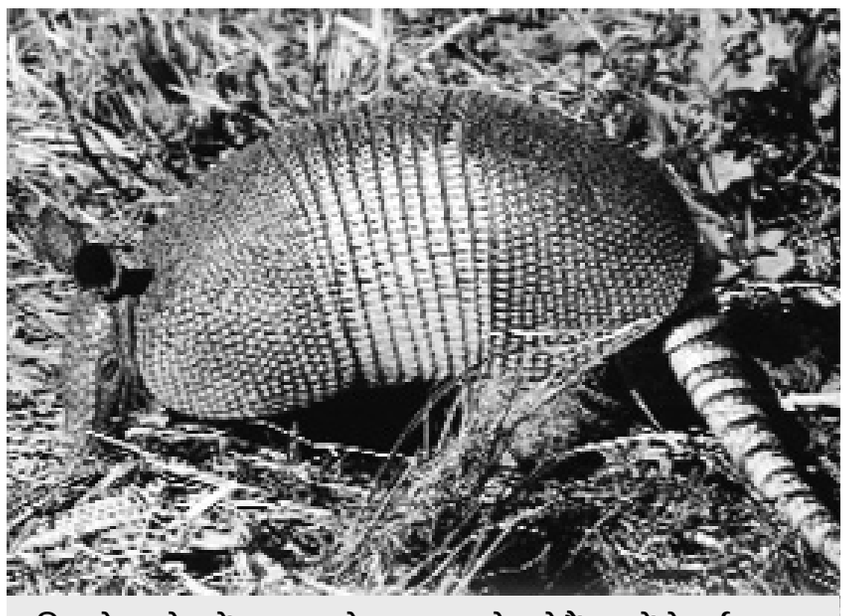

दुनिया का वो एकमात्र बुलेट प्रूफ जानवर आर्माडिलो

दुनिया के हर देश में तरह तरह के जानवर पाये जाते हैं. इनमें से कई जानवर तो ऐसे हैं जिन्हें हमने देखा भी नहीं है. जबकि कुछ जानवर ऐसे भी हैं जिन्हें हमने टीवी पर देखा होगा, लेकिन हमें उनके नाम मालूम नहीं होते. इसी तरह का एक विचित्र जानवर अमेरिका में भी पाया जाता है. इसके बारे में कम ही बातें होती हैं, लेकिन ये कमाल का जानवर है. अमेरिकी महाद्वीप में पाये जाने वाले इस स्तनधारी जीव का नाम आर्माडिलो है. ये दिखने में बेहद छोटा सा लगता है, लेकिन चालाकी के मामले में बड़े से बड़े जानवर को मात देने के लिए मशहूर है.

इस छोटे से स्तनधारी जीव की सबसे ख़ास बात ये है कि ये मुसीबत आने पर ख़ुद को आसानी से बचा लेता है. किसी भी बड़े हमले के दौरान ये अपने शरीर को समेट कर फ़ुटबाल के आकार में ढाल लेता है. आर्माडिलो की बाहरी त्वचा बुलेट प्रूफ़ जैकेट जितनी मज़बूत होती है. ये आसपास ख़तरे का अनुभव होने पर स्वयं को बॉल की तरह गोल कर लेता है और इससे ये अपनी रक्षा करता है. जब तक हमला टल नहीं जाता तब तक ये ख़ुद को फ़ुटबाल के आकार में ढाले रखता है. इस दौरान इसे पहचान पाना भी मुश्किल हो जाता है. इसकी त्वचा इतनी सख़्त होती है कि इसपर बुलेट का असर भी नहीं होता है. इसीलिए इसे 'बुलेट प्रूफ' जानवर भी कहा जाता है. इसे भी कहा जाता है.

साउथ अमेरिका में पाया जाने वाला ये विचित्र प्राणी आकार में चूहे से थोड़ा सा ही बड़ा होता है. इसकी लंबाई 38 से 58 सेंटीमीटर, जबकि ऊंचाई 15 से 25 सेंटीमीटर के बीच होती है. इसका वजन 2.5 से 6.5 किलो के बीच होता है. आर्माडिलो औसतन 12 से 15 वर्ष तक जीते हैं. आर्माडिलो भूरे, पीले और गुलाबी रंग के होते हैं.

इस जानवर की कुल 20 प्रजातियां पाई जाती हैं और ये सभी लेटिन अमेरिका में पाई जाती हैं. ये जमीन में गड्ढे के अंदर या सुरंग में या गर्म जगहों पर रहते हैं. ठंड का मौसम इन्हें ज़रा भी बर्दास्त नहीं होता, यहां तक कि इनकी मौत तक हो जाती है. ये छोटा सा दिनभर सोता है और रात में शिकार करता है. इनकी दुश्मनी सिर्फ़ कुत्ते–बिल्लियों से ही होती है. इसके अलावा कछुआ और मगरमच्छ भी दो ऐसे जानवर हैं जो अपनी सख़्त त्वचा के लिए जाने जाते हैं. लेकिन मगरमच्छ के मुक़ाबले कछुआ किसी भी बड़े हमले से ख़ुद को आसानी से बचा लेता है. इस दौरान वो ख़तरे का अनुभव होते ही अपने सिर को छुपा लेता है.

करीब 5 लाख की आबादी

काबो वर्डे ने फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया

नई दिल्ली, एजेंसी। काबो वर्डे ने पहली बार फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। उसने एस्वातिनी को 3-0 से शिकस्त देकर ग्लोबल फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। करीब 5 लाख आबादी वाला काबो वर्डे, विश्व कप में पहुंचने वाला आबादी के लिहाज से दूसरा सबसे छोटा देश बन गया है। इस सूची में आइसलैंड शीर्ष पर है, जिसने साल 2018 फीफा विश्व कप में हिस्सा लिया था। पहले हाफ में एस्वातिनी के खिलाफ कड़ी टक्कर

के बाद, काबो वर्डे ने दूसरे हाफ में शानदार खेल दिखाया। डैलोन लिव्रामेंटो, विली सेमेडो और स्टोपिरा के गोल ने एस्तादियो नासियोनल दे काबो वर्डे में फैंस को जश्न का मौका दिया। काबो वर्डे ने अंतिम समय में शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वालीफाई किया। पहले हाफ में तेज हवा के चलते कठिनाई झेलने के बाद, ब्लू शार्क्स ने 48वें मिनट पहली सफलता हासिल की। यानिक सेमेडो के क्रॉस पर डैलोन लिव्रामेंटो ने गोल दागा। टीम ने लगातार आक्रमण जारी रखा। इस बीच जमिरो मोंतेइरो का दूर से शॉट क्रॉसबार से टकराया। 54वें मिनट विली सेमेडो ने रयान मेंडेस के क्रॉस पर पांच यार्ड की दूरी से गोल करके टीम को 2-0 से बढ़त दिलाई।

जलालपुर की बेटी एलिश बनी स्वर्णपरी, भुवनेश्वर में शॉटपुट में सात साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

मेरठ, एजेंसी। भुवनेश्वर में आयोजित 40वीं नेशनल जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जलालपुर की एलिश ने 13.80 मीटर शॉटपुट फेंककर 2018 का पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। परिवार और गांव में खुशी की लहर दौड़ गई। मेरठ के लावड़ थानाक्षेत्र स्थित गांव जलालपुर की बेटी एलिश ने शॉटपुट में ऐसा धमाका किया कि भुवनेश्वर का कलिंगा स्टेडियम तालियों से गूंज उठा। 40वीं नेशनल जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में एलिश ने 13.80

मीटर शॉटपुट फेंककर पंजाब की अलका सिंह का 2018 में बनाया गया 13.10 मीटर का रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस उपलब्धि के साथ एलिश ने स्वर्ण पदक जीतकर मेरठ जिले और अपने गांव जलालपुर का नाम रोशन किया। एलिश अंडर-16 कैटेगरी में खेल रही थीं। उन्होंने अपने दमदार प्रदर्शन से प्रतियोगिता में निर्णायकों और दर्शकों को प्रभावित किया। परिवार और ग्रामीणों में उसकी इस सफलता से खुशी की लहर दौड़ गई। एलिश के दादा दिमाग सिंह, जो प्रधान राष्ट्रीय इंटर कॉलेज के प्रबंधक हैं, उन्होंने बताया कि पोती ने पंचकुला में अभ्यास किया और मेहनत के दम पर यह मुकाम हासिल किया।

भारत बनाम वेस्टइंडीज

दिल्ली टेस्ट में 7 विकेट से जीत

- टीम इंडिया ने किया सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने वेस्टइंडीज को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए दूसरे टेस्ट में 7 विकेट से मात देकर सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप कर लिया है। भारत को जीत दिलाने में शतकवीर यशस्वी जायसवाल और कप्तान शुभमन गिल के साथ मुकाबले में कुल 8 विकेट हासिल करने वाले कुलदीप यादव का अहम योगदान रहा। मुकाबले में टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी टीम इंडिया ने अपनी पहली पारी 518/5 के स्कोर पर घोषित की। इस पारी में सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने 175 रन बनाए, जबकि कप्तान शुभमन गिल ने नाबाद 129 रन की पारी खेली। विपक्षी टीम की ओर से जोमेल वारिकन को 3 सफलताएं हाथ लगीं। इसके जवाब में वेस्टइंडीज पहली पारी में महज 248 रन पर सिमट गई। इस टीम के लिए एलिक एथनाज ने सर्वाधिक 41 रन बनाए, जबकि शाई होप ने 36 रन टीम के खाते में जोड़े। भारत की ओर से कुलदीप यादव ने सर्वाधिक 5 सफलताएं हासिल कीं। रवींद्र जडेजा ने 3 विकेट निकाले।

इसी के साथ भारत ने पहली पारी के आधार पर 270 रन की विशाल बढ़त हासिल करते हुए मेहमान टीम को फॉलोऑन खेलने के लिए मजबूर किया। दूसरी पारी में खराब शुरुआत के बाद वेस्टइंडीज को जॉन कैंपबेल (115) और शाई होप (103) ने संभाला। इनके अलावा, जस्टिन इमलाच ने नाबाद 50 रन बनाकर टीम को 390 रन तक पहुंचाया।

इस पारी में भारत की तरफ से कुलदीप यादव और जसप्रीत बुमराह ने 3-3 सफलताएं हासिल कीं। मोहम्मद सिराज ने 2 विकेट निकाले।

भारत को जीत के लिए 121 रन का आसान टारगेट मिला। लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम इंडिया ने महज 9 रन पर यशस्वी जायसवाल (8) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद केएल राहुल और साई सुदर्शन ने दूसरे विकेट के लिए 79 रन जोड़ते हुए टीम को जीत के करीब ला दिया, लेकिन साई सुदर्शन (39) के आउट होने के बाद शुभमन गिल (13) के रूप में टीम ने जल्द दो अन्य विकेट गिरा दिए। यहां से केएल राहुल ने अर्धशतकीय पारी खेलते हुए टीम को जीत दिलाई। राहुल 2 छक्कों और 6 चौकों के साथ 58 रन बनाकर नाबाद रहे। इस पारी में वेस्टइंडीज के लिए कप्तान रोस्टन चेज ने 2 विकेट हासिल किए, जबकि जोमेल वारिकन ने 1 विकेट निकाला। भारत ने अहमदाबाद में खेले गए सीरीज के पहले मैच को पारी और 140 रन से अपने नाम किया था।

खिलाड़ियों को मैनेज और टीम का नेतृत्व करना सम्मान की बात : शुभमन गिल

नई दिल्ली, एजेंसी। शुभमन गिल की कप्तानी में भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप किया। गिल को इंग्लैंड दौरे पर टेस्ट की कप्तानी सौंपी गई थी, जहां टीम इंडिया ने 2-2 से सीरीज ड्रॉ करवाई। इसके बाद गिल की कप्तानी में भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ क्लीन स्वीप किया है। गिल ने कप्तानी को लेकर कहा, मैं अब इसकी आदत डाल रहा हूं। सभी खिलाड़ियों को मैनेज करना, इस टीम का नेतृत्व करना एक बड़ा सम्मान है। यह किसी भी परिस्थिति में सही विकल्प चुनने के बारे में है। मैं उस स्थिति में सबसे संभावित निर्णय लेने की कोशिश करता हूं जिसमें हम उस खेल में होते हैं। कभी-कभी आपको एक साहसिक निर्णय लेना पड़ता है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि कौन-सा खिलाड़ी आपको रन या विकेट दिला सकता है। गिल

ने वेस्टइंडीज के खिलाफ फॉलोऑन लागू करने पर कहा, हम लगभग 300 रन (270 रन) आगे थे। हमने सोचा कि अगर हम 500 रन भी बना लेते हैं और हमें पांचवें दिन 6 या 7 विकेट लेने हैं, तो यह हमारे लिए एक कठिन दिन हो सकता है। नीतीश रेड्डी को इस सीरीज के दोनों ही मुकाबलों में मौका दिया गया। अहमदाबाद टेस्ट में नीतीश को बल्लेबाजी का मौका नहीं मिल सका, लेकिन उन्होंने चार ओवर गेंदबाजी जरूर की। इसके बाद दिल्ली टेस्ट में उन्होंने पहली पारी में 43 रन बनाए। नीतीश रेड्डी को सीरीज में भरपूर मौके दिए जाने पर कप्तान गिल ने कहा, हम नहीं चाहते कि खिलाड़ी सिर्फ विदेशों में ही मैच खेलें। इससे खिलाड़ियों पर बहुत दबाव पड़ता है। हम कुछ ऐसे खिलाड़ियों को तैयार करना चाहते हैं, जो हमें लगता है कि विदेशों में मैच जीतने में हमारी मदद कर सकते हैं, क्योंकि यह हमारे लिए एक चुनौती रही है। इस सीरीज में गिल ने 50, 129* और 13 रन की पारी खेली। गिल ने अपने प्रदर्शन को लेकर कहा, जब मैं मैदान पर जाता हूं, तो मैं बस एक बल्लेबाज के तौर पर फैसले लेना चाहता हूं। एक चीज जो आप हमेशा चाहते हैं, वो है अपनी टीम को मैच कैसे जिताएं। जब मैं बतौर बल्लेबाज मैदान पर जाता हूं, तो मेरे दिमाग में बस यही ख्याल आता है।

ओलंपिक पदक विजेता पहलवान सहरावत ने गलती स्वीकारी

डब्ल्यूएफआई से निलंबन हटाने का अनुरोध किया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा आयोजित एक सम्मान समारोह में सहरावत ने स्वीकार किया कि उन्होंने पिछले महीने वजन कम न कर पाने की गलती की थी। इस पहलवान ने कहा कि वह डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह से मुलाकात करेंगे और उनसे महासंघ के फैसले पर पुनर्विचार करने का अनुरोध करेंगे।

पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले भारतीय पहलवान अमन सहरावत ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है। उन्होंने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) से अनुरोध किया है कि उन पर लगा एक साल का प्रतिबंध हटाने पर पुनर्विचार किया जाए। सहरावत को जगरेब में विश्व चैंपियनशिप में मुकाबले से पहले वजन कम करने में विफल रहने पर प्रतिबंध लगाया है। शुरुआती मुकाबले से पहले उनका वजन निर्धारित सीमा से 1.7 किलोग्राम अधिक था।

डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष से करेंगे आग्रह- भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा आयोजित एक सम्मान समारोह में सहरावत ने स्वीकार किया कि उन्होंने पिछले महीने वजन कम न कर पाने की गलती की थी।

इंडिया-वेस्टइंडीज टेस्ट

ध्रुव जुरेल ने रचा इतिहास

- ये रिकॉर्ड बनाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने इतिहास रच दिया है। वह पहले भारतीय क्रिकेटर बने हैं जिन्होंने अपने करियर के पहले 7 टेस्ट मैचों में जीत दर्ज की। उन्होंने भुवनेश्वर कुमार का रिकॉर्ड तोड़ा था, जिन्होंने 2013 में अपने पहले 6 टेस्ट मैचों में जीत हासिल की थी। जुरेल ने भारत के लिए अपना टेस्ट डेब्यू 15 फरवरी 2024 को राजकोट में इंग्लैंड के खिलाफ किया था, जिसमें रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम ने रिकॉर्ड 434 रनों से जीत हासिल की। इसके बाद उन्होंने रांची और धर्मशाला में इंग्लैंड के खिलाफ क्रमशः 5 विकेट और एक इनिंग और 64 रनों से जीत दर्ज की।

ध्रुव जुरेल के पहले 7 टेस्ट और नतीजे

● बनाम इंग्लैंड, 434 रनों से जीत, राजकोट, 15-18 फरवरी, 2024 ● बनाम इंग्लैंड, 5 विकेट से जीत, रांची, 23-26 फरवरी, 2024 ● बनाम इंग्लैंड, एक इनिंग और 64 रनों से जीत, धर्मशाला, 7-9 मार्च, 2024 ● बनाम ऑस्ट्रेलिया, 295 रनों से जीत, पर्थ, 22-25 नवम्बर, 2024 ● बनाम इंग्लैंड, 6 रनों से जीत, द ओवल, 31 जुलाई-4 अगस्त, 2025 ● बनाम वेस्ट इंडीज, एक इनिंग और 140 रनों से जीत,अहमदाबाद 2-4 अक्टूबर, 2025 ● बनाम वेस्ट इंडीज, 7 विकेट से जीत दिल्ली,10-14 अक्टूबर, 2025

जुरेल अब अगले मैचों में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की अ श्रृंखला में टीम इंडिया के लिए खेलते नजर आएंगे। 24 वर्षीय खिलाड़ी को शुबमन गिल की कप्तानी में ओडीआई टीम में बैकअप विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में चुना गया है।

मुझे बनाओ निशाना, हर्षित राणा के सपोर्ट में उतरे गौतम गंभीर

श्रीकांत पर किया पलटवार, बोले-यूट्यूब के लिए...

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने तेज गेंदबाज हर्षित राणा को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए वनडे टीम में चुने जाने पर सवाल उठाने वाले पूर्व कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत पर मंगलवार को कड़ा पलटवार किया. गंभीर ने कहा कि एक 23 वर्षीय युवा खिलाड़ी को निशाना बनाना बेहद शर्मनाक है. श्रीकांत ने हाल ही में अपने यूट्यूब चैनल पर दावा किया था कि राणा केवल इसलिए राष्ट्रीय टीम में हैं क्योंकि वह गंभीर के जी-हुजूरी करते हैं. श्रीकांत के इस बयान ने सोशल मीडिया पर भी हलचल मचा दी थी. इस पर प्रतिक्रिया देते हुए गंभीर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्पष्ट कहा, यह शर्मनाक है कि कोई अपना यूट्यूब चैनल चलाने के लिए 23 साल के खिलाड़ी को निशाना बना रहा है. अगर आप मुझे निशाना बनाना चाहते हैं, तो कीजिए. मैं इससे निपट सकता हूं. लेकिन यूट्यूब व्यूज के लिए एक युवा खिलाड़ी को ट्रोल करना शर्मनाक है.

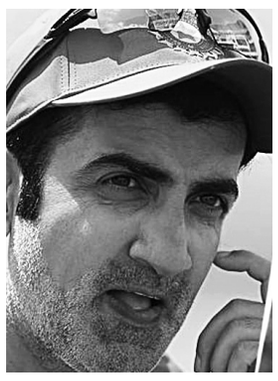

गंभीर की दो टूक- हर्षित अपने दम पर टीम में - गंभीर ने आगे जोर देकर कहा कि हर्षित राणा ने अपनी मेहनत और प्रदर्शन के दम पर टीम में जगह बनाई है, न कि किसी व्यक्तिगत प्रभाव के कारण. उन्होंने कहा, उनके (राणा के) पिता चयनकर्ता नहीं हैं. इस तरह के आरोप युवाओं के मनोबल को तोड़ते हैं. इन युवा खिलाड़ियों को निशाना मत बनाइए. 23 साल के तेज गेंदबाज हर्षित राणा ने दिल्ली के क्रिकेटर के रूप में पिछले साल गंभीर के मुख्य कोच बनने के बाद 2 टेस्ट, 5 वनडे और 3 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं. उनकी लगातार मेहनत और टीम में योगदान को लेकर चयनकर्ताओं ने भरोसा जताया है.

इस बीच, भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 7 विकेट से जीत दर्ज की और सीरीज में बढ़त बनाई. यह जीत भारतीय टीम के लिए आत्मविश्वास बढ़ाने वाली रही, खासकर युवा खिलाड़ियों के लिए.

सुल्तान ऑफ जोहर कप

भारत और पाकिस्तान की हॉकी टीमों के बीच होगा मैच

- पीएचएफ ने खिलाड़ियों को दी यह सलाह

लाहौर, एजेंसी। पीएचएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि खिलाड़ियों को भारतीय टीम की हाथ न मिलाने की नीति के लिए मानसिक रूप से तैयार रहने को कहा गया है। भारत और पाकिस्तान की हॉकी टीमों के बीच मंगलवार को सुल्तान जोहोर कप का मुकाबला होना है। दोनों टीमों के बीच यह मैच मलयेशिया के जोहर बाहरू में होगा। इससे पहले ही पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) ने अपनी टीम के खिलाड़ियों को सलाह दी है। दरअसल, पिछले कुछ समय से दोनों देशों के बीच रिश्ते तल्ख चल रहे हैं और इसका असर मैदान पर भी देखने मिला है।

टकराव से बचने कहा - पीएचएफ ने

अपने खिलाड़ियों से भारतीय खिलाड़ियों के साथ किसी भी तरह के टकराव से बचने की सलाह दी है। पहलगाम में आतंकी हमले के मद्देनजर भारतीय क्रिकेट टीम ने हाल ही में संपन्न एशिया कप के मैचों के दौरान पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था, जिसमें फाइनल भी शामिल था। इससे विवाद पैदा हो गया था और पाकिस्तान ने एशियाई क्रिकेट परिषद और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) में विरोध दर्ज कराया था। पूरी संभावना है कि भारतीय जूनियर हॉकी टीम पाकिस्तान के खिलाफ मंगलवार को होने वाले मैच में अपनी क्रिकेट टीम की तरह ही रवैया अपनाएगी। पीएचएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि खिलाड़ियों को भारतीय टीम की हाथ न मिलाने की नीति के लिए मानसिक रूप से तैयार रहने को कहा गया है। उन्होंने कहा, खिलाड़ियों से कहा गया है कि अगर भारतीय खिलाड़ी मैच से पहले या बाद में हाथ नहीं मिलाते हैं तो उन्हें अनदेखा कर देना चाहिए और आगे बढ़ जाना चाहिए। उन्हें खेल के दौरान किसी भी तरह के भावनात्मक टकराव से बचने के लिए भी कहा गया है। पाकिस्तान ने अगस्त में बिहार के राजगीर में आयोजित पुरुष एशिया कप के लिए अपनी टीम भारत नहीं भेजी थी।

रणजी 2025-26

ऋषभ पंत की वापसी और नए सितारे होंगे मुख्य आकर्षण का केंद्र

बेंगलुरु, एजेंसी। रणजी ट्रॉफी के 91वें संस्करण का आज बुधवार से होने जा रहा है, जिसमें ऋषभ पंत की संभावित वापसी और कई नए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का उभरना मुख्य आकर्षण हैं। इस सीजन में अनुभवी खिलाड़ियों की प्रासंगिकता पर भी सवाल खड़े होंगे। भारत के टेस्ट कैलेंडर और घरेलू क्रिकेट में संतुलन बनाए रखने के इस मौके पर युवा और अनुभवी दोनों ही वर्ग के खिलाड़ी अपनी क्षमता साबित करने के लिए मैदान में उतरेंगे।

पंत की वापसी का इंतजार- जुलाई में मैनचेस्टर में चोटिल होने के बाद पंत मैदान से बाहर थे। दिल्ली की टीम में उनका नाम पहले दौर के लिए शामिल नहीं है, लेकिन अगर बीसीसीआई सेंटर

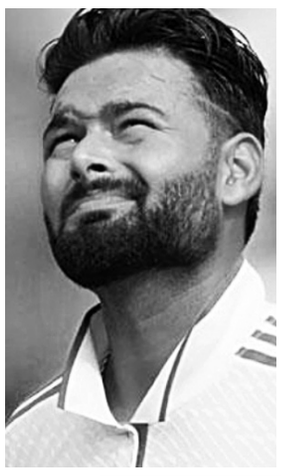

ऑफ एक्सीलेंस हरी झंडी देता है, तो वह दूसरे या तीसरे दौर में वापसी कर सकते हैं। उनके लिए यह रणजी ट्रॉफी महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नवंबर में शुरू होने वाली श्रृंखला से पहले खेल का अनुभव मिलेगा।

नए युवा सितारे तैयार- इस सीजन में कई युवा खिलाड़ियों पर निगाहें हैं, जो अपनी शानदार शुरुआत को आगे बढ़ाने का अवसर तलाश रहे हैं। आर स्मरण (कर्नाटक), आंद्रे सिद्धार्थ (तमिलनाडु), यश ढुल और प्रियांश आर्य (दिल्ली), वैभव सूर्यवंशी (बिहार), आयुष म्हात्रे (मुंबई) और दानिश मालेवार (विदर्भ) जैसे खिलाड़ी बल्लेबाजी में दम दिखा सकते हैं। गेंदबाजी में हर्ष दुबे, एडहेन एप्पल टॉम, मानव सुथार और गुरजपनीत सिंह नई चुनौतियों का सामना करेंगे।

न्यूज डायरी

कैबिनेट सचिवालय के प्रतिनिधिमंडल ने हरियाणा राइट टू सर्विस कमीशन का किया दौरा ऑटो-अपील सिस्टम की नवाचारपूर्ण पहल की सराहना

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। कैबिनेट सचिवालय के अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज चंडीगढ़ स्थित हरियाणा राइट टू सर्विस कमीशन का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल में कैबिनेट सचिवालय के विशेष सचिव श्री केशव कुमार पाठक, अतिरिक्त सचिव श्री सौरभ कुमार तिवारी, उप निदेशक श्री अंशुमान कामिला तथा प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग के अवर-सचिव श्री भुवनेन्दर सिंह शामिल रहे। आयोग के मुख्य आयुक्त श्री टी.सी. गुप्ता के नेतृत्व में अधिकारियों ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया।

इस अवसर पर हरियाणा राइट टू सर्विस एक्ट, 2014 के प्रभावी क्रियान्वयन, शासन प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और सुगमता बढ़ाने, अनुपालनों को कम करने तथा नियमों को सरल और नागरिकोन्मुख बनाने के उपायों पर विस्तृत चर्चा हुई। इस पहल का उद्देश्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं को अधिक दक्ष और कम जटिल बनाकर नागरिकों को त्वरित, पारदर्शी और समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराना है।

मुख्य आयुक्त श्री टी.सी. गुप्ता ने आयोग की कार्यप्रणाली, कानूनी ढांचे, शिकायत निवारण तंत्र तथा डिजिटल पहलों जैसे ऑनलाइन ट्रैकिंग सिस्टम, आस डैशबोर्ड और ऑटो-अपील व्यवस्था के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया की ऑटो अपील सिस्टम एक ऐसी प्रणाली है जो अधिसूचित सेवाओं के समय पर वितरण को सुनिश्चित करती है। यदि कोई सेवा समय-सीमा के भीतर पूरी नहीं होती है, तो यह सिस्टम आवेदक की ओर से स्वचालित रूप से एक अपील दायर करता है। इसका उद्देश्य नागरिकों के लिए सरकारी सेवाओं का समय पर और पारदर्शी वितरण सुनिश्चित करना है, खासकर उन लोगों के लिए जो विभागों के चक्कर लगाने में असमर्थ हैं। उल्लेखनीय है कि इस व्यवस्था को तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल द्वारा 2021 में लागू किया गया था।

मुख्य आयुक्त ने बताया कि हरियाणा राइट टू सर्विस एक्ट, 2014 के तहत वर्तमान में 809 नागरिक-केंद्रित सेवाएँ अधिसूचित की जा चुकी हैं। उन्होंने यह भी बताया कि सेवा प्रदाय में विफल रहने पर दंडात्मक कार्रवाई की ठोस व्यवस्था लागू की गई है, और भविष्य में अधिक नागरिक सेवाओं को आयोग के अधिकार क्षेत्र में शामिल करने की दिशा में कार्य जारी है।

स्कूलों को 18 प्रतिशत जीएसटी के साथ जमा करवाना होगा सम्बद्धता शुल्क

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी से संबद्ध सैकेण्डरी/सीनियर सैकेण्डरी/गुरूकुल/विद्यापीठ परीक्षा शैक्षिक सत्र 2025-26 के लिए अराजकीय स्थाई मान्यता प्राप्त विद्यालय 18 प्रतिशत (CGST@9% & SGST@9%) जीएसटी सहित ऑनलाइन गेटवे पेंमेट के माध्यम से सम्बद्धता शुल्क जमा करवा सकते हैं।

उन्होंने आगे बताया कि शैक्षिक सत्र 2021-22, 2022-23, 2023-24, 2024-25 के सम्बद्धता शुल्क का केवल जीएसटी एवं शैक्षिक सत्र 2025-26 का सम्बद्धता शुल्क (जीएसटी सहित) जमा करवाया जाना है।

बोर्ड के प्रवक्ता ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि बोर्ड द्वारा सम्बद्धता शुल्क पर लगाया गया जीएसटी भारत सरकार के द्वारा जारी दिशानिर्देशानुसार ही लिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वित मंत्रालय (भारत सरकार) के राजस्व विभाग द्वारा जारी सर्कुलर नम्बर-151/07/2021-GST dt. 17 June, 2021 के अनुसार केन्द्रीय ओर राज्य शैक्षिक बोर्डों को परीक्षा आयोजित करने के माध्यम से सेवाएं प्रदान करने के सीमित उद्देश्य के लिए शैक्षिक संस्थान माना गया है। अधिसूचना संख्या 12/2017-Central Tax (Rate) दिनांक 28.06.2017 के क्रम संख्या 66 अनुसार किसी शैक्षिक संस्थान द्वारा अपने छात्रों, अध्यापकों और कर्मचारियों को प्रदान की गई सेवाओं के अतिरिक्त प्रवेश परीक्षा आयोजित करवाने के लिए प्रवेश शुल्क को जीएसटी से मुक्त किया गया है।

उन्होंने आगे बताया कि बोर्ड द्वारा प्रदान की जाने वाली अन्य सेवाओं पर 18 प्रतिशत की दर से जीएसटी लागू होता है यानि किसी संस्थान या पेशेवर को मान्यता प्रदान करना (मान्यता शुल्क या पंजीकरण शुल्क) ताकि उन्हें अपनी संबंधित सेवाएं प्रदान करने के लिए अधिकृत किया जा सके।

उन्होंने आगे बताया कि शिक्षा बोर्ड द्वारा वित मंत्रालय (भारत सरकार) के राजस्व विभाग के निर्देशानुसार ही सम्बद्धता शुल्क पर जीएसटी लिया जा रहा है। जीएसटी जमा करवाने से संबंधित किसी भी प्रकार की शंका होने पर बोर्ड कार्यालय में सम्पर्क किया जा सकता है।

हरियाणा में खरीफ खरीद सीजन में अब तक 4214.85 करोड़ की अदायगी किसानों के बैंक खातों में सीधे स्थानांतरित

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा में खरीफ खरीद सीजन 2025 - 26 के दौरान किसानों के खातों में अब तक 4214.85 करोड़ की अदायगी उनके बैंक खातों में सीधे स्थानांतरित की जा चुकी है। इस तरह सरकार ने किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य का भुगतान सुनिश्चित किया है।

हरियाणा के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के हितों को देखते हुए जिला की सभी अनाज मंडियों में धान की खरीद का कार्य सुचारू रूप से जारी है।

उन्होंने कहा कि जिले में हैफेड, वेयर हाऊस और फूड एंड सप्लाई एजेंसियों द्वारा धान की खरीद की जा रही है। संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि धान की फसल बेचने में किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

'मेरी फसल मेरा ब्यौरा' पोर्टल पर पंजीकृत किसानों से धान की खरीद की जा रही है। राज्य में अब तक 'मेरी फसल मेरा ब्यौरा' पोर्टल' पर पंजीकृत 1,67,404 किसानों से धान की खरीद की गई है।

प्रवक्ता ने आज यहां जानकारी देते हुए कहा कि अब तक राज्य भर की मंडियों में कुल 30,19,844 लाख मीट्रिक टन धान की आवक हुई है।

उन्होंने बताया कि विभिन्न जिलों की मंडियों से अब तक 20,49,941 लाख मीट्रिक टन धान का उठान हो चुका है। अब तक मंडियों से 27,10,580 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है।

नशीली दवाओं के सेवन के जोखिम और हानिकारक प्रभावों पर एक जागरूकता सत्र का आयोजन किया

चण्डीगढ़ : इनर व्हील क्लब, चण्डीगढ़ सेंट्रल द्वारा द्वारा सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर 7, पंचकूला में नशीली दवाओं के सेवन के जोखिम और हानिकारक प्रभावों पर एक जागरूकता सत्र का आयोजन किया। क्लब की अध्यक्ष श्रीमती अंजना कपूर ने बताया कि इस क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्यरत एक गैर-सरकारी संगठन नेक सोच के प्रतिनिधियों द्वारा आयोजित इस सत्र में 300 छात्रों ने भाग लिया। इस दौरान बताया गया कि कैसे नशीली दवाओं का दुरुपयोग लत का कारण बन सकता है जो व्यक्ति के मन और शरीर को नुकसान पहुँचाता है और गंभीर बीमारी और यहाँ तक कि मृत्यु का कारण भी बन सकता है। वक्ताओं ने बताया कि आजकल मोबाइल फोन स्क्रॉल करना भी एक लत बनता जा रहा है। छात्रों ने 'नशे को न कहें' विषय पर रंग-बिरंगे पोस्टर बनाए थे जिन्हें उन्होंने गर्व से प्रदर्शित किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्या सुश्री शीला दलाल और शिक्षिकाओं उषा व नीलम सहित क्लब की अध्यक्षा अंजना कपूर, कोषाध्यक्ष श्वेता गुप्ता, ऑडिटर गीतांजलि गर्ग, आईएसओ वीना सिंगला और सदस्याएँ अनीशा आहूजा व वीना आनंद सत्र में उपस्थित रहीं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कुरुक्षेत्र के नागरिकों को दी इलेक्ट्रिक बस सेवा की सौगात, 10 इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

- गीता स्थली कुरुक्षेत्र में देश विदेश से आने वाले पर्यटक कर सकेंगे अब इलेक्ट्रिक बसों में सफर- मुख्यमंत्री
- मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने गीता स्थली ज्योतिसर से लेकर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय तक किया इलेक्ट्रिक बस का सफर

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने मंगलवार को कुरुक्षेत्र में इलेक्ट्रिक बस सेवा की सौगात देते हुए 10 इलेक्ट्रिक बसों को झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री के साथ पूर्व राज्यमंत्री श्री सुभाष सुधा ने गीता स्थली ज्योतिसर से लेकर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय तक इलेक्ट्रिक बस का सफर किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि नागरिक दीपावली तक इन इलेक्ट्रिक बसों में निःशुल्क सफर कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री मंगलवार को गीता स्थली ज्योतिसर में हरियाणा राज्य परिवहन विभाग की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह इलेक्ट्रिक बसें अलग अलग रूट पर चलाई जाएंगी। इस इलेक्ट्रिक बस सेवा से देश विदेश से आने वाले पर्यटकों को भी फायदा मिलेगा। इसके साथ ही अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव, सूर्य ग्रहण मेला, सोमवती अमावस्या के साथ-साथ अन्य मेलों में इलेक्ट्रिक बस सेवा का यात्री फायदा उठा सकेंगे। उन्होंने कहा कि जीरो कार्बन उत्सर्जन सार्वजनिक परिवहन शुरू करने के उद्देश्य से राज्य परिवहन हरियाणा ने भारत सरकार के राष्ट्रीय इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन 2020 के अंतर्गत हरियाणा और उसके आस-पास के राज्य में पर्यावरण अनुकूल इलेक्ट्रिक बस सेवा चलाने का निर्णय लिया है।

उन्होंने कहा कि सरकार सार्वजनिक परिवहन बस सेवा प्रदान करने के लिए 10 नगर निगमों, पंचकूला, अंबाला, यमुनानगर, करनाल, पानीपत, सोनीपत, रोहतक, हिसार, गुरुग्राम और फरीदाबाद के लिए 50-50 ई-बसें खरीदने का निर्णय लिया गया है। जिसमें कुल 500 बसें और दिल्ली, गुरुग्राम और अन्य आस-पास के शहरों व उप शहरों के निकट होने के कारण रेवाड़ी के लिए 50 बसें होंगी। इस प्रदेश में विभाग की तरफ से सकल लागत अनुबंध (जीसीसी) मॉडल के तहत 12 मीटर मानक फ्लोर 375 एसी इलेक्ट्रिक बसों की खरीद के लिए निर्णय लिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा के पानीपत, यमुनानगर, करनाल, पंचकूला, हिसार, रोहतक, रेवाडी, सोनीपत में 5-5 बसें और अंबाला में 10 ई-बस सेवा शुरू की जा चुकी हैं और अब दीपावली के पावन पर्व से पहले कुरुक्षेत्र शहर में श्रद्धालुओं व तीर्थ यात्रियों को इलेक्ट्रिक सिटी बस सेवा प्रदान की है। यह राज्य सरकार के लिए एक बड़ी उपलब्धि है क्योंकि यह पूरे देश में किसी भी राज्य की एक अनूठी परियोजना है। इस सिटी बस सेवा से न केवल कुरुक्षेत्र के नागरिकों को लाभ होगा बल्कि शून्य प्रदूषण और शून्य ध्वनि प्रदूषण भी होगा। उन्होंने कहा कि 375 बसों के संचालन के लिए सभी 10 शहरों में अलग-अलग सिटी बस सेवा डिपो का निर्माण भी किया जा रहा है। इसमें पानीपत इलेक्ट्रिक बस डिपो का निर्माण पूरा हो चुका है और यमुनानगर में शीघ्र पूरा होने वाला है।

आर्य महिला संगठन ने आयोजित की हिंदी वाचन प्रतियोगिता

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। आर्य महिला संगठन चण्डीगढ़, पंचकूला और मोहाली समाज भलाई के लिए कार्य कर रही है। महर्षि दयानंद सरस्वती के कार्यों को आगे बढ़ाने में यह संगठन हमेशा तत्पर रहता है। इसी कड़ी में उन्होंने हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए महर्षि दयानंद पब्लिक स्कूल, एमडीएवी भवन, दरिया चंडीगढ़ में हिंदी वाचन प्रतियोगिता का आयोजन किया। कार्यक्रम के आरंभ में उषा जीवन ने प्रतिभागियों को प्रतियोगिता के नियम बताए। भिन्न-भिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया। सुहासिनी और अभिदीप को क्रमशः प्रथम एवं द्वितीय स्थान मिला। जबकि कुलदीप, हिमांशु और दिव्यांशी को तृतीय स्थान मिला। 9 विद्यार्थियों को सांत्वना पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। आर्य महिला संगठन की ओर से सभी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। शोभा सोबती ने महर्षि दयानंद सरस्वती के कार्यों का संक्षिप्त परिचय दिया। नीलम धमीजा ने बहुमूल्य अनुभवों को बच्चों के साथ सांझा किया। निर्मल रहेजा व यशकीर्ति ने योग्य निर्णयाक की भूमिका निभाई। इस मौके पर सुदर्शन चौहान, उषा गुप्ता, निर्मल रहेजा, यश कीर्ति और मधु जसूजा भी उपस्थित रहीं। प्रिंसिपल डॉ. विनोद शर्मा ने हिंदी वाचन प्रतियोगिता आयोजित करने के लिए आर्य महिला संगठन के सभी पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य हिंदी भाषा को समृद्ध करना और विद्यार्थियों में लिखने, पढ़ने एवं समझने की कला को विकसित करना था।

भाविप दक्षिण 2 शाखा द्वारा गौशाला में गौ-ग्रास सेवा का कार्य किया

चण्डीगढ़ : भारत विकास परिषद दक्षिण 2 शाखा द्वारा सेक्टर 45 गौशाला में गौ ग्रास सेवा कार्यक्रम शाखा के सभी सदस्यों के सहयोग से किया। सचिव अनिल गर्ग ने बताया की नियमित मासिक गौ ग्रास सेवा गतिविधि संपन्न हुई। इस अवसर पर बलदेव शर्मा, एडवोकेट, रमेश शर्मा शाखा अध्यक्ष, भूपिंदर कुमार श्रीमती ममता, प्रितपाल सिंह, एडवोकेट, अश्वनी नारंग व विजय अग्रवाल सेवा कार्य के लिए उपस्थित रहे।

एम.सी.एम. में वन्यजीव सप्ताह: विज्ञान, रचनात्मकता और संरक्षण का संगम

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मेहर चंद महाजन डी.ए.वी. महिला महाविद्यालय के प्राणीशास्त्र विभाग और ईको-क्लब 'परिवेश' ने एम.सी.एम. विज्ञान मंच के तत्वावधान में, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा अक्षय ऊर्जा विभाग, चंडीगढ़ प्रशासन के सहयोग से दो दिवसीय वन्यजीव सप्ताह समारोह का आयोजन किया।

इस अवसर पर विभिन्न विधाओं के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अनेक प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। ''वाइल्डलाइफ कंजर्वेशनः आवर रिस्पॉन्सिबिलिटी' विषय पर आयोजित लघु वीडियो निर्माण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने मौलिक और प्रभावशाली वीडियो प्रस्तुत किए, जिनसे वन्यजीव संरक्षण का सशक्त संदेश दिया। 'माइक्रो मीट्स मैक्रोः वाइल्डलाइफ थ्रू ऑल लेंसिस' शीर्षक फोटोग्राफी प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने कॉलेज परिसर के वन्यजीवों की जियो-टैग्ड तस्वीरें लेकर जैव-विविधता की अनदेखी सुंदरता को उजागर किया।

'कीप द वाइल्ड अलाइव' विषय पर पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने संरक्षण के पक्ष में विचारोत्तेजक कलाकृतियाँ प्रदर्शित कीं। एनिमल पेबल पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने प्राकृतिक पत्थरों पर वन्यजीवों के प्रति अपने प्रेम को चित्रित किया, जबकि क्ले मॉडलिंग प्रतियोगिता में पौधों और जीव-जंतुओं से प्रेरित पर्यावरण-अनुकूल मूर्तियाँ बनाई।

पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने दुनिया के पर्यटन मानचित्र पर ढोसी की पहाड़ी और नारनौल को लाने का रखा प्रस्ताव

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के सहकारिता, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक राज्य–एक वैश्विक गंतव्य संकल्प के तहत महेंद्रगढ़ की ढोसी की पहाड़ी और नारनौल को दुनिया के पर्यटन मानचित्र पर लाने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि यदि पर्यटन मंत्रालय ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहर की नगरी महेंद्रगढ़–नारनौल को विकसित करे तो देश ही नहीं, विदेशी पर्यटक भी एक शानदार पर्यटन स्थल का अनुभव कर पाएंगे।

पर्यटन मंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि प्राकृतिक एवं अरावली पर्वतमाला में स्थित इस शानदार स्थल के विकसित होने से दक्षिण हरियाणा में रोमांच, धरोहर, प्राकृतिक चिकित्सा और खेल आधारित गतिविधियों का केंद्र तैयार होगा, जिसके सामाजिक, आर्थिक, व्यापारिक और पर्यटन संबंधी दूरगामी सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे।

मंगलवार को हरियाणा के पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा झीलों की नगरी उदयपुर (राजस्थान) में पर्यटन मंत्रालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय राज्य पर्यटन मंत्रियों की बैठक में संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के बजट के अनुरूप 50 शीर्ष पर्यटन स्थलों के विकास पर राज्यों के प्रस्तावों पर मंथन हुआ।

हरियाणा का प्रतिनिधित्व करते हुए डॉ. शर्मा ने कहा कि एक राज्य–एक वैश्विक गंतव्य योजना के तहत प्रदेश में महेंद्रगढ़ की ढोसी की पहाड़ी और विरासत नगरी नारनौल को वैश्विक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ढोसी की पहाड़ी और नारनौल की बावड़ियों, मकबरों व महलों जैसी धरोहरों को दुनिया के पर्यटन मानचित्र पर स्थापित किया जाना समय की मांग है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और दक्षिण हरियाणा की अरावली श्रृंखला में स्थित यह क्षेत्र न केवल वैश्विक पर्यटन गलियारा विकसित करेगा बल्कि सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों, स्थानीय औद्योगिक इकाइयों और उद्यमियों के लिए अपार संभावनाएं उत्पन्न करेगा। इसके लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार पूरी तरह तैयार है।

- एक राज्य–एक वैश्विक गंतव्य की अवधारणा पर हरियाणा के पर्यटन मंत्री ने राष्ट्रीय बैठक में दिया सुझाव
- प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन व मुख्यमंत्री सैनी के नेतृत्व में हरियाणा को सांस्कृतिक केंद्र बनाने की कवायद तेज

डॉ. शर्मा ने बताया कि विश्व स्तरीय पर्यटन स्थल के रूप में ढोसी की पहाड़ी और नारनौल की ऐतिहासिक हवेलियों, किलों, कुओं, बावड़ियों, छतरियों, द्वारों, मंदिरों, गुंबदों और स्मारकों को एकीकृत विरासत विकास योजना के तहत संरक्षण और पर्यटन के दृष्टिकोण से विकसित किया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि ढोसी की पहाड़ी को रोमांचक एवं सांस्कृतिक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करते हुए ट्रैकिंग, रोपवे प्रोजेक्ट, पर्यावरण अनुकूल शिविर, स्काई डाइविंग, सांगीतिक प्रस्तुतियों, शिल्प बाजार और कारीगरों के प्रदर्शन जैसी गतिविधियों को बेहतरीन ढंग से प्रस्तुत किया जाएगा। इससे तीन सितारा व पांच सितारा होटल, होम स्टे और अन्य राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सुविधाओं के विकास से क्षेत्र में व्यावसायिक गतिविधियों में उछाल आएगा, जो प्रदेश की अर्थव्यवस्था को सशक्त करेगा। पर्यटन मंत्री ने कहा कि हरियाणा भगवान श्रीकृष्ण की कर्मभूमि है, जहां कुरुक्षेत्र में ऐतिहासिक महाभारत युद्ध हुआ था। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार इंडोनेशिया के बाली में गरुड़ विष्णु सांस्कृतिक पार्क में विशालकाय प्रतिमा वैश्विक पर्यटकों को आकर्षित करती है, उसी प्रकार हरियाणा में भी भगवान श्रीकृष्ण की विशालकाय प्रतिमा स्थापित की जानी चाहिए, जो देशी–विदेशी पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनेगी।

उन्होंने फरीदाबाद को व्यावसायिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने का भी प्रस्ताव दिया।

बिजली चोरी में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी- ऊर्जा मंत्री अनिल विज

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि अब पेडों की शाखाओं की वजह से होने वाले बिजली के व्यवधान की दिक्कत को दूर किया जाएगा और इस संबंध में व्यापक अभियान चलाकर पेडों की कटाई व छंटाई करवाई जाएगी, ताकि तेज-हवाओं और ऊंचे व लंबे पेडों की शाखाओं की वजह से बिजली आपूर्ति बाधित न हो।

श्री विज ने कहा कि यह अभियान पूरे हरियाणा में चलाया जाएगा और इस संबंध में सभी संबंधित अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में यह अभियान व्यापक स्तर पर चलाएंगें। उन्होंने कहा कि ''बिजली चोरी रोकने के लिए चलाए जाने वाले अभियानों में भी ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

श्री विज आज यहां चण्डीगढ में यूटी गेस्ट हाउस में ऊर्जा विभाग के अधिकारियों की एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस बैठक में ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री अपूर्व कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

सभी प्रकार के ओवर लोडेड ट्रांसफार्मरों और कंडक्टरों का अपग्रेडेशन किया जाए -विज

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी प्रकार के ओवर लोडेड ट्रांसफार्मरों को बदला जाए और सभी प्रकार की ओवर लोडेड कंडक्टरों का भी अपग्रेडेशन किया जाए। इस पर विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राज्य में इस संबंध में कार्य किया जा रहा है और शेष बचे हुए स्थानों पर यह कार्य जल्द पूरा कर दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि लाईन लोजिस को ओर कम करना है ताकि उपभोक्ताओं को गुणवत्तापरक बिजली आपूर्ति उपलब्ध करवाई जा सकें।

मेंनटेंस टीम में पर्याप्त संख्या में स्टाफ की तैनाती होनी चाहिए, सुरक्षा उपकरण हों इस्तेमाल-विज

कैबिनेट मंत्री श्री अनिल विज ने अधिकारियों से कहा कि ट्रांसफार्मर के लिए एक अलग से बैंक भी बनाकर रखें ताकि खराब ट्रांसफार्मर को तुरंत बदला जा सकें। उन्होंने कहा कि मेंनटेंस टीम में पर्याप्त संख्या में स्टाफ की तैनाती होनी चाहिए क्योंकि स्टाफ की कमी के चलते समय पर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होने में बाधा आती है। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि मेंटनेंस स्टाफ के पास पूरी तरह से सुरक्षा उपकरण होने चाहिए। मेंटनेंस टीम का स्टाफ बिना सुरक्षा उपकरणों के खंभों पर नहीं चढना चाहिए।

राज्य के सभी कॉल सेंटर सुचारू रूप से संचालित होने चाहिए-विज

श्री विज ने शिकायत केन्द्र को पुख्ता रूप से संचालित करने के लिए भी अधिकारियों को निर्देश दिए और कहा कि राज्य के सभी कॉल सेंटर सुचारू रूप से संचालित होने चाहिए।

सभी बिजली के कार्यालयों में शिकायत केन्द्र के नंबर इत्यादि डिस्पले किए जाने चाहिए। श्री विज ने अधिकारियों से कहा कि हम सभी को मिलकर बिजली विभाग की छवि को निखारना है ताकि शेयर मार्किट में हमारी बिजली कंपनियों की लिस्टिंग की जा सकें।

अधिकारियों को निर्देश, दीपावली के दिन बिजली आपूर्ति प्रभावित ना हो - विज

श्री विज ने अधिकारियों को विशेष निर्देश देते हुए कहा कि त्यौहारी सीजन चल रहा है और आने वाले दिनों में दीपावली आ रही है। दीपावली के दिन सभी सर्कल के अधिकारी व वरिष्ठ अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि दीपावली के दिन बिजली आपूर्ति प्रभावित न हो।

ऊर्जा मंत्री ने सबस्टेशन/पावर हाउस को बारिश के पानी अथवा जलभराव से बचाव के लिए अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि अगली बरसातों के सीजन से पहले-पहले ऐसे सभी सबस्टेशन एवं पावर हाउस के लेवल को ऊपर उठाया जाए, ताकि इस समस्या का हल हो। बैठक के दौरान म्हारा गांव-जगमग गांव योजना की प्रगति के संबंध में भी ऊर्जा मंत्री ने अधिकारियों से जानकारी हासिल की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आईसीएआर-भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, लुधियाना में प्रशासनिक भवन का उद्घाटन किया

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। केंद्रीय कृषि, किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान (आईआईएमआर) लुधियाना, पंजाब का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने संस्थान के नवनिर्मित प्रशासनिक भवन का उद्घाटन किया और मक्का हितधारकों, किसानों, ग्रामीण विकास योजनाओं के लाभार्थियों और महिला स्वयं सहायता समूहों की दीदियों से बातचीत भी की। इसके बाद, केंद्रीय मंत्री ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया, जिसमें पंजाब क्षेत्र के लिए केंद्र सरकार की प्रमुख कृषि और ग्रामीण विकास पहलों और योजनाओं की जानकारी साझा की गई।

इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री भागीरथ चौधरी, केंद्रीय रेल एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री श्री रवनीत सिंह बिट्टू और पंजाब के कृषि मंत्री श्री गुरमीत सिंह खुडियां भी उपस्थित थे।

श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाना, उत्पादन लागत कम करना और किसान की आय बढ़ाना हमारा मुख्य लक्ष्य है। गेहूं और चावल की खेती के मामले में हम पूरी तरह आत्मनिर्भर हैं, लेकिन कृषि में विविधता लाना बेहद जरूरी है। गेहूं और धान के बाद तीसरी सबसे बड़ी फसल मक्का है, जिसका उपयोग भोजन के अलावा कई अन्य कार्यों में भी किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि धान का मुकाबला केवल मक्का ही कर सकता है, जिससे पानी की भी बचत होगी और किसानों को अधिक लाभ मिलेगा। इस दृष्टि से मक्का अनुसंधान संस्थान बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यहाँ किए जा रहे अनुसंधान मक्का के उत्पादन को बढ़ाने में काफी मददगार साबित हो रहे हैं।